डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 122 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 12 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

आवश्यकता है

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

गुरु एक्सप्रेस की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

माता का दरबार– गुप्त नवरात्रि शुरु होने के साथ ही रविवार को नालछा माताजी मंदिर में भक्तो की भारी भीड़ रही।

समाजसेवी अशोक अरोरा गंगानगर पर फायरिंग का मामला...

अकरम ने किया कोटा में सरेंडर

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। समाजसेवी अशोक अरोरा पर हुए हमले के मामले में बाबू सिंधी का साथ राकेश अरोरा ने दिया था। दोनों ने मिलकर प्लानिंग की और हमला कराने के खर्च का बंटवारा भी करना तय हुआ। रिमांड पर दोनों से पुलिस पूछताछ जारी है। इधर एक और शूटर अकरम ने कोटा में सरेंडर कर दिया है। जिसे नीमच लाने की तैयारी की जा रही है।

अशोक अरोरा के भाई राकेश अरोरा उम्र 49 वर्ष निवासी नीमच ने एक माह पूर्व बाबू के साथ मीटिंग कर अशोक गंगानगर पर हमला करने की साजिश रची थी। यह बैठक भाटखेड़ा स्थित बाबू सिंधी के फॉर्म हाउस पर हुई। बैठक में हमले पर होने वाले खर्च को आधा-आधा बांटने का दोनों में समझौता हुआ। हमला करने आए आरोपी भी यहीं ठहरे थे। राकेश ने ही बाबू को उसके ऑफिस के बाहर गोली मारने की बात कही थी। आरोप है कि घटना को अंजाम देने के लिए राकेश ने 3 करोड़ रुपए व हथियार भी दिए। अब राकेश ने 3 करोड़ रुपए व हथियार की व्यवस्था कैसे करवाई, इसके बारे में पूछताछ की जा रही है।

अकरम को नीमच लाएंगे...

अशोक पर हमला करने 4 शूटर आए थे। इसमें एक बाबू फकीर की क्रॉस फायरिंग में मौत हो चुकी है। वहीं अकरम पिता अब्दुल मजीद शाह निवासी जवाहरनगर रतलाम एवं इंदौर निवासी आशिक की पहचान हो चुकी है। चौथे शूटर की पहचान भी हो गई है। लेकिन, पुलिस अभी खुलासा नहीं कर रही है। मामले में अकरम ने कोटा में सरेंडर कर दिया है। उसे जल्द नीमच पुलिस गिरफ्तार कर लाएगी।

इसलिए राजस्थान में करते है सरेंडर...

राजस्थान की जैलो में हाईप्रोफाईल कैदियो को कई सुविधाएं मिल जाती है। बाहर से भोजन के साथ ही मोबाईल की सुविधा भी उपलब्ध हो जाती है। इसलिए एमपी में बड़े अपराध करने के बाद ऐसे हाईप्रोफाईल बदमाश राजस्थान में आर्म्स एक्ट, बकरी चोरी जैसे फर्जी प्रकरण दर्ज करवा लेते है। जिससे जब वे किसी तारीख पर राजस्थान जाते है

तो वहां जैलर से सेटिंग कर गार्ड नहीं कटवाते है। वहां रहने पर वे अंदर से अपना काला कारोबार आसानी से चला पाते है। अकरम के विरूद्ध भी कोटा में पहले से आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। इसलिए उसने वहां सरेंडर कर दिया। अब नीमच पुलिस उससे कठोरता से पूछताछ भी नहीं कर पाएगी।

शुरू होगा स्थानांतरण का दौर

तीन साल से जमे पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों का जाना तय

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले के कई विभागों में तीन साल से अधिक समय से जमे हुए पुलिस व प्रशासन के अधिकारियो के स्थानांतरण जल्द हो सकते है। हालांकि चुनाव के पहले इनकी रवानगी तय है। आगामी तीन-चार दिनों में ऐसे अधिकारियो के व्यापक तबादले होंगे। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि 15 फरवरी तक एक ही स्थान पर तीन साल से जमे अफसरों को हटाकर इसकी रिपोर्ट दें। आयोग के निर्देश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), गृह तथा पुलिस और राजस्व विभाग में ऐसे अफसरों को हटाने के लिए सूची तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है। सबसे अधिक तबादले जीएडी और गृह विभाग में किए जाएंगे।

बता दें कि चुनाव आयोग के निर्देश के चलते मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने 6 जनवरी से 8 फरवरी तक कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों समेत मतदाता सूची तैयार करने से सीधा संबंध रखने वाले अफसरों को नहीं हटाने के लिए राज्य सरकार को ताकीद किया था। इसके चलते ये तबादले रुके हुए थे। अब चूंकि 8 फरवरी को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन हो चुका है तो तबादले के लिए सूची तैयार करने और नवीन पद स्थापना की तैयारी है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा कि 15 फरवरी तक सरकार को 30 जून की स्थिति में एक ही जिले में तीन साल की पद स्थापना होने पर हटाने के आदेश जारी करना है। इसके बाद सरकार को चुनाव आयोग को रिपोर्ट भेजना है।

एसपी-कलेक्टर भी बदलेंगे...?

प्रदेश की बात करें तो अभी जिलों में 11 कलेक्टरों और कुछ पुलिस अधीक्षकों के तबादले के अलावा बड़ी प्रशासनिक सर्जरी नहीं की गई है। माना जा रहा है कि 15 फरवरी तक जारी होने वाली तबादला सूची में कई जिलों के कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को हटाया जा सकता है। इसके अलावा सबसे अधिक बदलाव अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, संयुक्त कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर के पदों पर कार्यरत अधिकारियो के मामले में भी होना है।

तहसीलदार, टीआई भी बदलेंगे...

आयोग के निर्देश हैं कि तीन साल की अवधि पूरी कर चुके और चुनाव से सीधा संबंध रखने वाले अधिकारियो और पिछले चुनाव में शिकायती पृष्ठभूमि वाले अफसरों को सरकार हटा दे। अन्यथा आचार संहिता लागू होने पर चुनाव आयोग कार्यवाही कर हटाएगा। इसलिए माना जा रहा है कि तहसीलदार और टीआई के तबादले भी होंगे। हालांकि, राजस्व विभाग द्वारा 6 माह पहले तहसीलदारों के व्यापक तबादले किए थे और इसके बाद कई तहसीलदारों को प्रभारी डिप्टी कलेक्टर के रूप में पदस्थ किया था। इसके अलावा एडिशनल एसपी, एसडीओपी, सीएसपी, डीएसपी के पदों पर तैनात राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों के भी तबादला आदेश जारी किए जाएंगे।

शराब ब्लेकिये के कब्जे से मिली चोरी की तीन बाईक

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में लंबे समय से बाईक चोरी की वारदातें हो रही है। रविवार को शहर कोतवाली पुलिस को अच्छी सफलता मिली। जिसमें पुलिस ने शराब के ब्लेकिये चोरी की तीन बाईक बरामद की है। पकड़ा गया बदमाश अवैध रूप से चोरी की बाईक पर शराब लेकर जा रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ा और पूछताछ की तो चोरी की अन्य दो बाईक और उसके कब्जे से बरामद की गई।

शहर कोतवाली पुलिस ने बताया कि मुखबीर सूचना के आधार पर गोपाल कृष्ण गोशाला के सामने प्रतापगढ रोड मदंसौर के सामने से पुलिस ने आरोपी शाहरुख पिता छोटे खां मेवाती उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम निम्बाखेड़ी थाना दलौदा मंदसौर को थाना दलौदा क्षेत्र से चोरी हुई एन.एक्स.जी. बाईक एमपी14 एमएफ 6762 से शराब की तस्करी करते रंगेहाथो पकडा गया। पकड़े गए आरोपी शाहरुख मेवाती से पुलिस ने सघनता से पुछताछ की तो उसने थाना कोतवाली क्षेत्र मंदसौर से 02 अन्य बाईक चोरी करना बताया। जिसको आरोपी शाहरुख मेवाती के घर से बरामद कर जप्त किया गया है।

प्रतापगढ़ पुलिस ने भय्यू लाला को उज्जैन से उठाया

शहर कोतवाली और दलौदा थाना पुलिस को भी है उसकी तलाश

मंदसौर/प्रतापगढ़, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गुजरात, राजस्थान और मध्यप्रदेश का वांछित और इनामी बदमाश भय्यू लाला उर्फ नूर अफजल पिता मीर अफजल खां निवासी देवल्दी थाना अरनोद को प्रतापगढ़ पुलिस ने उज्जैन से गिरफ्तार किया है। इस बदमाश की एमपी के मंदसौर शहर कोतवाली और दलौदा थाने और गुजरात के मांगरोल जिला जूनागढ़ थाने का भी वांछित है। अफजल के खिलाफ दलौदा थाने में आर्म्स एक्ट, एक बलात्कार, जानलेवा हमले का केस दर्ज है। इसके अलावा कोतवाली थाने में भी इसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। आरोपी के खिलाफ जिले के अरनोद थाने में आर्म्स एक्ट के दो मामलों के साथ पुलिस पर फायरिंग, एक परिवार पर जानलेवा हमले सहित एनडीपीएस एक्ट की कई संगीन धाराओं में मामले दर्ज हैं।

इसी मामले में पुलिस ने फायरिंग करने वाले अपराधी की तलाश में दबिश दी थी। इस दौरान फायरिंग की वारदात को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपी को जब पुलिस पकड़ने गई थी तो आरोपी नूर अफजल उर्फ भय्यू लाला ने पुलिस पर फायरिंग शुरु कर दी थी। इस दौरान पुलिस ने भी आरोपी पर जवाबी फायरिंग की थी। लेकिन, आरोपी भय्यू लाला वहां से भीड़ का सहारा लेकर भाग गया था। तब से ही आरोपी की पुलिस को तलाश थी। पुलिस ने आरोपी नूर अफजल उर्फ भय्यू खां को मध्यप्रदेश के उज्जैन से गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान भी आरोपी नूर अफजल उर्फ भय्यू ने पुलिस वैन से कूद कर भागने की कोशिश की, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी नूर अफजल का पैर भी टूट गया है। पुलिस आरोपी नूर अफजल उर्फ भय्यू का जिला अस्पताल में उपचार करवा रही है।

बता दें कि प्रतापगढ़ जिले के अरनोद थाना क्षेत्र के देवल्दी गांव में बीती 8 नवम्बर 2023 की रात को दो परिवार में झगड़े के बाद फायरिंग की वारदात हुई थी। इस फायरिंग की वारदात को भी नूर अफजल उर्फ भय्यू खां ने अंजाम दिया था। भय्यू की ओर से की गई इस फायरिंग में एक मासूम समेत पांच लोग घायल हुए थे। गांव में दो परिवारों में पुराना विवाद था। भय्यू ने गांव के बावर खां के परिवार पर हमला कर दिया था, जिसमें एक मासूम सहित पांच लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने

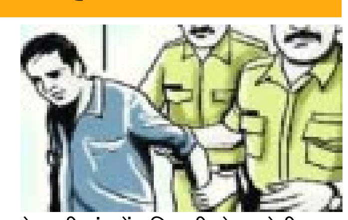

देवल्दी गांव में दबिश दी तो आरोपी भय्यू ने पुलिस की डीएसटी टीम पर भी फायरिंग शुरू कर दी और वहां से फरार हो गया था।

नाबालिग से छेड़छाड़ का विरोध, हिंदू संगठनों ने थाना घेरा

पांच युवकों पर पाक्सो एक्ट में प्रकरण दर्ज, 4 गिरफ्तार, 1 की तलाश

दलौदा, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। इन दिनों लगातार हिंदू लडकियों के साथ कुछ विधर्मियो द्वारा लगातार हिंदू युवक बनकर लडकियो को उलझाकर उन्हें प्रताड़ित एवम परेशान कर ब्लेक मेल करते है। अमानवीय कृत्य भी किया जाता है। लेकिन, लड़कियां परिवार और इज़्ज़त के डर से सब सहन करती है। किंतु, जब ज्यादा प्रताड़ना होती है तो फिर मुखर होती है। एक ऐसा ही मामला दलौदा मगरे पर रहने वाली एक नाबालिक युवती के साथ हुआ। रविवार शाम एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ कर मारपीट का मामला सामने आया।

मिली जानकारी के मुताबिक, घटना शाम करीब 5 बजे की है, जहां नाबालिग लड़की को समाज विशेष के 5 युवक मोटरसाइकिल पर बहला-फुसलाकर नगर की एक सुनसान कॉलोनी में ले गए। जहां उनके द्वारा लड़की से मारपीट की गई और लडकी के साथ गलत व्यवहार किया। इसके बाद जैसे तैसे लड़की ने फोन से घर पर संपर्क किया। सूचना पर हिंदू संगठन भी मौके पर पहुंचे और लड़की को मौके से बचाया और 3 आरोपियों को थाने ले आए, जबकि कुछ आरोपी मौके से भागने में सफल रहे।

इसके बाद यह खबर शहर में आग की तरह फैल गयी। सूचना मिलने पर सभी हिंदू संगठनों के लोग दलौदा थाने पर जमा हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने पर घेराव कर दिया। यहां प्रशासन की भारी ढिलाई दिखी और रात 8.30 बजे तक कोई भी बड़ा जिम्मेदार अधिकारी थाने नहीं पहुंचा। जिससे हिंदू संगठनों में आक्रोश बढ़ने लगा एवं वे नारेबाजी करने लगे। इस दौरान पुलिस द्वारा कार्रवाई के नाम पर कुछ नहीं किया गया। थाना प्रभारी इस दौरान पूरी कार्यवाही से बचते नजर आए। उनके द्वारा मामले में कोई एक्शन नहीं लिया गया। रात करीब 8.30 बजे के आसपास एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी, एसडीओपी कीर्ति बघेल मौके पर पहुंचे और हिंदू संगठनों के प्रमुख कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों से चर्चा कर कठोर कार्यवाही का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया की 5 युवकों के खिलाफ 363, 366, 376, 323, 294, 506, 3/4 पाक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। देर रात 1 अन्य युवक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जबकि, एक फरार युवक की तलाश में टीम रवाना हुई। युवकों में 3 नाबालिक है और दो सोहेल शाह, अरबाज खान अंबिका नगर के निवासी है।

युवकों की एक गैंग कर रही है ऐसे कार्य.....

मौके पर उपस्थित हिंदू समाज के कुछ लोगो ने आरोप लगाया कि दलौदा नगर में इस प्रकार की एक गैंग लम्बे समय से सक्रिय है, जो लगातार सीधी साधी लडकियो को प्रेम जाल में उलझाकर उनके साथ सामूहिक अमानवीय कृत्य करते हैं। इस गैंग पर सख्त कार्यवाही की आवश्यकता है।

आलू की बोरियों के बीच मिला 1800 किलो नशीला पदार्थ

रतलाम/जावरा, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। ट्रक में आलू की बोरियों में छिपाकर मादक पदार्थ की तस्करी करने का मामला सामने आया है। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की टीम ने चिकलिया टोल नाके के पास से लावारिस हालत में खड़े एक ट्रक को जब्त कर तलाशी ली तो उसमें अफीम डोडा की दो तरह की करीब 1800 किलो सामग्री पाई गई। टीम ने डोडा सामग्री व ट्रक जब्त कर ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के जावरा कार्यालय के अधिकारियों को सूचना मिली थी कि मंदसौर से एक ट्रक में बडी मात्रा डोडा भूसा भरा गया है, जिसे मारवाड क्षेत्र ले जाया जाएगा। टीम ने खोजबीन शुरू की तो महू-नीमच हाईवे पर बिलपांक थाना क्षेत्र के चिकलिया टोल नाके के पास नौ व दस फरवरी की दरमियानी रात एक ट्रक लावारिस हालत में खड़ा मिला। चेक करने पर उसमें आलू की बोरिया के बीच डोडा के बैग होना पाया गया। सूरक्षा कारणों से मौके पर उसकी तलाशी नहीं लेते हुए टीम ट्रक को जावरा स्थित कार्यालय परिसर ले गई और वह उसकी तलाश ली गई तो उसमें आलू की बोरियों में रखे डोडा सामग्री के 95 ..... शेष पेज 4 पर

भारतीयों के हाथ में होंगे सेटेलाइट मोबाइल फोन होंगे

मंदसौर/उज्जैन, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। डेढ़ अरब आबादी वाले भारत देश में 75 प्रतिशत लोगों के पास मोबाइल फोन उपलब्ध हैं। भारतीयो में एक आदत की तरह आवश्यक हो या ना हो पर मोबाइल फोन उपयोग करना उसकी हैसियत का पैमाना होता जा रहा है। मोबाइल महंगा हो या सस्ता पर इसके लिए किसी न किसी कंपनी का इंटर नेट डाटा भी भुगतान कर उपयोग किया जाता है। सामान्यत: भारत में उपग्रह तो भारत सरकार के भारत संचार निगम का है। पर, इसके सहारे सरकार से अधिक कमाने वाली निजी कंपनियां है। जैसे जियो, एयरटेल आदि इन कंपनियों की मोनोपोली ने कई कंपनियों को भारत के बाजार से बाहर कर दिया है, ताकि उपभोक्ता सिर्फ इन्हीं के नेटवर्क का भुगतान कर उपयोग करें। ऐसा हो भी रहा था कि दूर संचार की

दुनिया में अब प्रगतिशील बदलाव के कारण सैटेलाइट संचार तकनीक ने कदम रख दिया है। चर्चा यह भी है कि एलन मस्क की स्टार लिंक कंपनी ने भारत में अपनी कंपनी की सेटेलाइट संचार क्रांति को आम उपभोक्ताओं तक उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार से विधिवत अनुमति के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

दूरसंचार टेक्नोलॉजी में भारत भर में जियो और एयरटेल ने अपना साम्राज्य जमाया हुआ है। हो सकता है कि सरकार में खासा दखल होने के कारण ऐसा हो रहा है, वरना वोडाफोन तो बाजार से लगभग गायब हो चुका और बीएसएनएल रेंगते हुए चल चल रहा है। जबकि, उपग्रह वाली सरकारी एजेंसी यही है। खैर अब जिस टेक्नोलॉजी के दिन आने वाले हैं, उसमें अभी तक कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। निकट भविष्य में होने की संभावनाएं भी नहीं है। दूरसंचार जगत में अभी तक एकमात्र स्टार लिंक कंपनी ही ऐसी है जिसके अपने निजी छोटे उपग्रह 5 हजार से अधिक स्पेस में काम कर रहे हैं। इसी कारण अगर एलन मस्क की स्टार लिंक कंपनी को जिस दिन भी भारतीय दूरसंचार जगत में सैटेलाइट सेवा देने की अनुमति मिल जाएगी, उसी दिन से जियो और एयरटेल के खराब दिन शुरु हो जाएंगे।

चन्द्रमोहन भगत

इस टेक्नोलॉजी के जानकार अपने मंच से जानकारी दें चुके हैं कि अगर स्टार लिंक सेटेलाइट फोन सुविधा भारत में शुरू हुई तो अभी जितनी भी संख्या में भारत में मोबाइल यूजर्स हैं, उनकी संख्या में 10 प्रतिशत इजाफा हो जाएगा। इनका यह भी कहना है की सेटेलाइट फोन लोगों के हाथों में आने के बाद जंगल, पहाड़, समुद्र या हाईवे पर कहीं भी रहेंगे, नेटवर्क की दिक्कत नहीं आएगी। यह भी की वर्तमान मोबाइल कंपनियों के सेवा शुल्क से बहुत अधिक राशि उपभोक्ता को खर्चना नहीं पड़ेगी। वर्तमान मोबाइल कंपनियों ने दावा किया था कि 5जी के उपयोग से डाटा और स्पीड भी बहुत बेहतर होगी, पर ऐसा कुछ भी उपभोक्ताओं के मोबाइल पर हुआ भी नहीं। इसके उलट कई बार उपभोक्ताओं को यह लगने लगा कि वर्तमान से पहले की 4जी व्यवस्था ही दुरुस्त थी। इस तरह की दूर संचार सेवाओं से के बीच अगर स्टार लिंक सेटेलाइट मोबाइल सेवाएं बाजार में वाजिब कीमतों पर उपलब्ध होने लगेगी तो स्वाभाविक है कि वर्तमान समय के मोबाइल बाजार से गायब हो जाएंगे।

देश में टेलीफोन इस्तेमाल करने वाले 118.35 करोड़ लोग हैं। दुनिया में 57 प्रतिशत अर्थात लगभग साढ़े चार अरब आबादी मोबाइल यूजर्स हो चुकी है, जो 2027 तक 70 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। जब सेटेलाइट मोबाइल का उपयोग उपभोक्ता शुरू कर देगा, तब ये तय माना जाएगा कि उसके उपयोग किए जाने वाला डाटा में कोई गड़बड़ नहीं होगी। बिजली, मौसम और रेंज की समस्या समाप्त हो जाएगी। जानकारों का तो यह भी कहना है कि वर्तमान दरों से सस्ती और बेहतर सुविधाएं हमेशा उपलब्ध रहने वाली है, बस इंतजार है कि स्टार लिंक सेटेलाइट कंपनी को भारत सरकार से अनुमति मिलने का।

अशोक गंगानगर पर हमला.. एक नई पहेली..!

दर्द-ए-दिल

कुमार दशपुरी

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में एक बार फिर आतंक ने दस्तक दे दी है। तीन-चार सालों से थमा हुआ आतंक फिर से शोर मचाने लगा है। नीमच के मदिरा व्यवसायी अशोक अरोरा गंगानगर पर हुए प्राण घातक हमले ने एक बार फिर दहशत का माहौल खड़ा कर दिया है। हालांकि, यह बात दीगर है कि खुद गंगानगर की सुरक्षा व्यवस्था इतनी चाक चौबंद थी कि शार्प शूटर को ही उनके अंगरक्षकों ने मार गिरा दिया और अशोक अरोरा पूरी तरह से सुरक्षित रहे।

समझा जा रहा था कि अखेपुर के लाला पठानों का आतंक अब सिमटता जा रहा है पिछले चार सालों में हत्या या हत्या के प्रयास जैसी कोई वारदात क्षेत्र में हुई नहीं थी। लेकिन, शार्प शूटर बाबू फकीर के पैरोल पर बाहर आने और अशोक गंगा नगर पर हमला करने की घटना ने कई नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्या बदमाश लाला पठान अपराधी समूह ने एक बार फिर सर उठा लिया है। गंगानगर ग्रुप दशकों से अविभाजित मंदसौर जिले में अपने व्यवसाय और दबदबे से अपनी एक खास धाक रखता है। अविभाजित मंदसौर जिले के डोडा चुरा के पूर्व के सभी बल्लम व्यवसाईयों पर हमले हुए हैं। गोपाल सोनी और कोमल बाफना पर गोलियां चली, अनिल त्रिवेदी को तो मौत के घाट उतार ही दिया गया। यही हाल रज़्ज़ाक का हुआ। बालू बावरी की भी हत्या कर दी गई, ठन्ना हत्याकांड, अनिल सोनी मर्डर मामला ये सभी घटनाएं सिलसिलेवार हुई। पूरा क्षेत्र इनके आतंक से थर्राया हुआ था।

तब भी लाला पठानों के आतंक से गंगानगर ग्रुप हमेशा अछूता ही रहा। लेकिन, हाल ही की घटना एक नई पहेली बन गई है। पुलिस ने अशोक गंगानगर के भाई राकेश को भी उठाया है, जो रिमांड पर है। यह एंगल पारिवारिक विवाद को भी दर्शा रहा है। लेकिन, हमले को लेकर बाबू सिंधी की अहम भूमिका और शूटर बाबू फकीर जिसका ताल्लुक लाला पठानों से है, पैरोल पर होने के बावजूद भी उसकी इंट्री हुई। ये सब बातें एक नई कहानी की ओर इशारा कर रही है। अभी तक इस पूरे मामले में किसी ठोस नतीजे पर पुलिस नहीं पहुंच पाई है। क्या वास्तव में जो दिख रहा वही हकीकत है या हकीकत को छुपा कर कुछ और ही बताया जा रहा है। कई सवाल हैं जो फिलहाल अनुतरित हैं.. क्या अशोक गंगानगर पर बाबू सिंधी ने ही हमला करवाया.. क्या उनके भाई का भी इसमें हाथ है.. क्या लाला पठानों ने तो कहीं अलग एंगल की ओर लोगों का ध्यान भटका कर अपना कोई काम निकाला है.. या दुश्मन का दुश्मन दोस्त की कहावत को चरितार्थ करते हुए सभी बदमाश एक हो गए है। ये वे तमाम सवाल है जिनके उत्तर इस पूरे मामले की तह तक जाने के बाद ही सामने आ पाएंगे। लेकिन, फिलहाल थमा हुआ आतंक एक बार फिर से सर चढ़कर बोला है।

विचार-मंथन

अतिक्रमण: सरकारी प्रयासों पर सवालिया निशान

उत्तराखंड के हल्द्वानी में सरकारी जमीन पर से अतिक्रमण हटाने की कोशिश में जिस तरह हिंसा भड़क उठी और बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों के घायल होने तथा हिंसा पर उतारू भीड़ पर गोली चलाने से चार लोगों के मारे जाने की खबर आई, उससे अतिक्रमण रोकने के सरकारी प्रयासों पर एक बार फिर गहरा सवालिया निशान लगा है। गौरतलब है कि हल्द्वानी के एक इलाके में सरकारी भूखंड पर कथित रूप से कब्जा कर मजार और मदरसा बना लिया गया था। उसे हटाने के लिए पुलिस और नगर निगम के कर्मचारी वहां पहुंचे तो स्थानीय लोग उग्र हो उठे और पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। अब स्थिति यह है कि पूरे शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहां स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस बात की जांच होनी चाहिए कि भीड़ के उग्र और हिंसक होने के पीछे क्या कोई साजिश है! इसी तरह पिछले वर्ष जनवरी में भी हल्द्वानी के ही एक इलाके में रेलवे की जमीन पर कब्जा कर बसी एक बस्ती को हटाने का अभियान चलाया गया था। तब भी खासा हंगामा हुआ। अतिक्रमण हटाने के विरोध में लोगों ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और उस मामले को मानवीय करार देते हुए अदालत ने बेदखली पर रोक लगा दी थी। हल्द्वानी में और भी ऐसी जगहें हैं, जहां लोगों ने अतिक्रमण कर बस्तियां या मकान-दुकान बना ली है। पिछले वर्ष भी वन विभाग, रेलवे और राजस्व विभाग के भूखंडों पर से अवैध कब्जा हटाने का अभियान चलाया गया था। पता चला कि कई जगहों पर भूमाफिया ने सौ और पांच सौ रुपए के स्टांप पर लोगों को सरकारी जमीन बेच दी थी। उन पर लोग घर बना कर रह रहे हैं। उनमें से ज्यादातर स्थानीय निवासी नहीं हैं। वे वहां मजदूरी वगैरह करने के लिए गए थे।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारी भूखंड पर किसी को अवैध रूप से कब्जा कर रिहाइश या कोई कारोबारी भवन बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि प्रशासन और सरकार को तभी ऐसी जगहों को खाली कराने की सुध क्यों आती है, जब लोग वहां बस्तियां बसा चुके होते हैं। देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां अवैध रूप से कायम की गई बस्तियां आबाद न हों। ये बस्तियां कोई एक दिन में या रातोंरात तो बस नहीं जातीं। कहीं-कहीं तो लोग दावे करते हैं कि वे पचास-पचास वर्ष से रह रहे हैं। सरकारी भूखंडों पर कब्जे की प्रवृत्ति पुरानी और उजागर है। इसके पीछे सक्रिय लोग भी करीब-करीब पहचाने हुए होते हैं। सरकारी अमले और भूमाफिया के बीच गठजोड़ के जरिए अतिक्रमण कराया जाता है। फरीदाबाद के वनक्षेत्र में वर्षों से आबाद हजारों लोगों की बस्ती को भी इसी तरह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर हटाना पड़ा था।ऐसे मामलों में ठगे और मारे जाते हैं, वे गरीब लोग, जिन्हें धोखे में रख कर भूमाफिया कम कीमत पर जमीन बेच देते हैं। यही नहीं, कई जगह तो बस्तियां बसने के बाद उनमें बिजली-पानी की सुविधाएं भी सरकारी विभागों द्वारा उपलब्ध करा दी जाती हैं। लोग राशन कार्ड, आधार पहचान-पत्र जैसे दस्तावेज भी हासिल कर लेते हैं। तब प्रशासन को यह जरूरी क्यों नहीं लगता कि वह वहां बस रहे लोगों को रोके। किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को हटाया ही जाना चाहिए, मगर उसका तरीका कानूनी होना चाहिए, ताकि हिंसा की नौबत न आने पाए।

मोदी ने मिला दी है मंडल और कमंडल की राजनीति

अजय सेतिया

सोनिया गांधी से पहले वाजपेयी के 13 महीनों के पहले कार्यकाल में शरद पवार विपक्ष के नेता थे। सोनिया गांधी के तल्खी भरे भाषणों का नतीजा यह निकला कि संसद सत्र के समापन के समय विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री के भाषण की परंपरा ही बंद करनी पड़ी। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब वाजपेयी जैसे सौम्य नेता के साथ नफरत भरा व्यवहार हो सकता है, तो आक्रामक स्वभाव के नरेंद्र मोदी के साथ तो होना ही था। सोनिया गांधी और उनकी दोनों संतानें नरेंद्र मोदी को दशकों से चली आ रही अपनी पारिवारिक राजनीति का सबसे बड़ा विलेन मानते हैं, इसका कारण यह है कि मोदी देश के पहले ऐसे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें सांसदों ने नहीं सीधे जनता ने बहुमत दिया है। मोदी से पहले ऐसा दावा सिर्फ नेहरू - इंदिरा परिवार ही कर सकता था। मोदी की लोकप्रियता के कारण ही 2013 में भाजपा उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने को मजबूर हुई थी। उनकी लोकप्रियता का कारण भी सभी जानते हैं कि गोधरा में ट्रेन जलाए जाने के बाद उन्होंने अपने 12 साल के शासन काल में गुजरात में एक भी दंगा नहीं होने दिया था। इससे गुजरात के हिन्दुओं ने बहुत बड़ी राहत की सांस ली थी, क्योंकि लगभग हर साल होने वाले साप्रदायिक दंगों का वही शिकार होते थे। मोदी के मुख्यमंत्री काल में शान्ति स्थापित होने के कारण गुजरात का विकास हुआ। हिन्दुओं को दंगों से राहत के कारण गुजरात के विकास का वह मेसेज पूरे देश में फैला और वह हिन्दुओं के लोकप्रिय नेता बनते चले गए। तब तक देश को यह पता ही नहीं था कि नरेंद्र मोदी ओबीसी समुदाय से आते हैं। मोदी एक गरीब परिवार से जरूर थे, लेकिन उन्होंने खुद भी कभी यह नहीं बताया था कि वह ओबीसी समुदाय से हैं।नरेंद्र मोदी का बचपन गरीबी में निकला है। गरीब की जाति कोई भी हो, उसकी तकलीफ एक समान होती है। इसलिए मोदी अक्सर कहते भी रहे हैं कि वह अमीर और गरीब दो ही जातियां मानते हैं। मोदी की उपलब्धि यह है कि उन्होंने 1990 से देश में शुरू हुई मंडल कमंडल की राजनीति का स्वरूप बदल दिया है। उन्होंने अपनी कमंडल वाली पार्टी में मंडल घुसा दिया है, दोनों का एकीकरण कर दिया है। इस एकीकरण से भारतीय जनता पार्टी का स्वरूप भी बदल गया और देश की राजनीति भी बदल गई। जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तक भी एक जमाना था, जब कांग्रेस का भी यही स्वरूप था, जो आज भारतीय जनता पार्टी का है। भाजपा की तरह कांग्रेस भी राष्ट्रीय मुद्दों पर राजनीति करती थी और जातिवादी सोच को बढ़ावा नहीं देती थी। इसका प्रमाण नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में दिए अपने भाषण में दिया है, जिसमें उन्होंने जवाहर लाल नेहरू की मुख्यमंत्रियों को लिखी गई चिट्ठी का हवाला दिया, उस चिट्ठी में उन्होंने लिखा था कि वह व्यक्तिगत तौर पर जातिवाद की राजनीति को बढ़ावा देने के खिलाफ हैं, और वह आरक्षण के भी खिलाफ हैं। बहुत पुरानी बात नहीं है, जब वीपी सिंह ओबीसी को आरक्षण देने के लिए मंडल आयोग की सिफारिशें लागू कर रहे थे, तब राजीव गांधी ने संसद में आरक्षण का विरोध करते हुए कहा था कि यह समाज को तोड़ देगा। आज़ादी के बाद जवाहर लाल नेहरू ने जाति आधारित जनगणना बंद करवा दी थी। उसके बाद कभी भी जाति आधारित जनगणना नहीं हुई। पिछड़ी जातियों की ओर से एससी एसटी की तरह आरक्षण की मांग को भी कांग्रेस ने हमेशा अनसुना किया। ओबीसी को आरक्षण की मांग पर पहली बार जनता सरकार ने ध्यान दिया और मोरारजी देसाई ने 1979 में मंडल कमीशन बनाया। हालांकि मोरारजी देसाई ओबीसी नहीं, ब्राह्मण थे।दुर्भाग्य से जब तक मंडल कमीशन की रिपोर्ट आई, तब तक मोरारजी देसाई सरकार गिर गई थी, और इंदिरा गांधी दुबारा सत्ता में आ गई थी। कांग्रेस की इंदिरा सरकार ने मंडल आयोग की ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया। कांग्रेस की इंदिरा गांधी और राजीव गांधी सरकारों ने 1989 तक आरक्षण की सिफारिश वाली रिपोर्ट को दबाए रखा। 1990 में जनता दल सरकार के प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने आरक्षण की रिपोर्ट को लागू किया, वीपी सिंह भी ओबीसी नहीं थे, ठाकुर थे। लेकिन मंडल की राजनीति करके अपने राजनैतिक आधार को बढ़ाने की कोशिश में उन्होंने यह निर्णय ले लिया। जब ओबीसी को आरक्षण की रिपोर्ट लागू हो गई तो कांग्रेस को लगा कि उसके वोट का आधार ही खिसक जाएगा, इसलिए उसने देश भर में आंदोलन करवा दिए। वीपी सिंह सरकार भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से चल रही थी, भाजपा को भी लगा कि हिन्दू समाज जातियों में बंट गया तो उसके वोट का आधार खिसक जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष लाल कृष्ण आडवानी ने हिन्दुओं को एकजुट करने के लिए विश्व हिंदू परिषद के रामजन्मभूमि आन्दोलन में सक्रिय होना शुरू कर दिया। इसे मंडल की राजनीति के जवाब में कमंडल की राजनीति कहा जाने लगा। उनकी सोमनाथ से शुरू हुई रथयात्रा को मंडल राजनीति के मसीहा और बिहार के मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने बिहार में रोक दिया। लालू यादव उसी जनता दल के नेता थे, जिसकी केंद्र में सरकार भाजपा के समर्थन से चल रही थी। आडवाणी की रथयात्रा रोकने से नाराज भाजपा ने वीपी सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया और सरकार गिर गई। कमंडल की राजनीति की प्रतीक बन गई भाजपा ने आरक्षण का कभी विरोध नहीं किया था। लेकिन मंडल बनाम कमंडल कह कर भाजपा को आरक्षण विरोधी बताने की कोशिश तबसे चलती रही। मंडल आयोग बनने से भी पहले पिछड़ों और अत्यंत पिछड़ों को आरक्षण देने वाले कर्पूरी ठाकुर और कमंडल राजनीति के प्रतीक लाल किशन आडवाणी को एक साथ भारत रत्न से सम्मानित करके नरेंद्र मोदी ने कमंडल में मंडल मिला दिया है। जब से मोदी प्रधानमंत्री बने हैं।

जड़ों से कटने की पीड़ा और मजबूरी...

पूजा खिल्लन

जीवन में हम कई बार जरूरी प्रक्रियाओं से गुजरते हैं और उनसे गुजरकर हमारा विकास होता है। बचपन में हम स्कूल जाते हैं और वक्त के मुताबिक यह नितांत जरूरी है। जब हम बड़े होते हैं तो घर से बाहर मित्रों में पड़ोसियों के पास और रिश्तेदारों के यहां हमारा उठना-बैठना अधिक होता है। यह भी एक जरूरी प्रक्रिया है जो हमारे लिए एक सामाजिक दायरे का निर्माण करती है। तब हम सामाजिक पाठशाला का अभ्यास कर रहे होते हैं जो हमें परिपक्व बनाता है, समाज में हमारे सोचने-समझने, उठने-बैठने के तौर-तरीकों में सुधार लाता है। तब हम वैसा नहीं करते या दिखते जैसा हम बचपन में करते या बोलते थे, बल्कि हम मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं। इसी समय कालेज की भी शुरुआत होती है, जहां नए मित्र और दोस्त मिलते हैं और बचपन की दोस्ती में नया आयाम जुड़ता है। माना जाता है कि कई मायनों में हमारा विकास घर से बाहर निकलने पर ही होता है। दुनिया की तमाम सभ्यताएं इस बात का उदाहरण रही हैं कि अपने दायरे से बाहर आने के बाद ही नई दुनिया की खोज हुई। कोई यात्री अपनी जगह से निकल पड़ा और चलते-चलते किसी नए इलाके को, किसी नए देश को नक्शे पर दर्ज करने का जरिया बन गया। नई दुनिया की खोज ज्ञान का हिस्सा है और ज्ञान विकास का सबसे महत्वपूर्ण अंग। धान का पौधा जब अंकुरित होता है और फिर थोड़ा बढ़ता है तब उसे उसकी जगह से उखाड़ कर कहीं और रोपा जाता है, जहां उसका विकास होता है। इसी तरह मनुष्य है। मां-पिता भी बच्चों को उनके विकास के लिए घर की चौखट के बाहर भेजते हैं, भले ही उनकी दृष्टि उन पर रहती है। वे उन्हें बीच-बीच में समझाते-बुझाते रहते हैं कि उनके लिए क्या अच्छा और बुरा है। बच्चे अब पहले की तरह मां-बाप की अंगुली थामे नहीं चल रहे होते, बल्कि उन चोटों को सहन कर रहे होते हैं, जिन्हें खाकर उन्हें मजबूत बनना है। मां-पिता उन्हें यह सिखाते हैं। जब किसी पक्षी के बच्चे छोटे होते है तो वह उन्हें घोंसले में रखता है। जब वे बड़े होते है तो उन्हें आकाश में, पंख फैलाकर उड़ने के लिए छोड़ देता है। मां-पिता और शिक्षक या गुरु बच्चों को अपने अनुभव सौंपते हैं और उन्हें समृद्ध करते हैं। बहरहाल, इस तरह के उद्धरण जीवन में जरूरी तौर पर मौजूद विस्थापन की प्रक्रिया के हैं, जिससे मनुष्य का विकास होता है। मगर एक विस्थापन वह भी है जो जबरन हम पर थोपा जाता है, जिसकी पीड़ा जीवन भर के लिए आहत कर जाती है। मसलन, देश और दुनिया में कई समुदाय हैं, जिन्होंने अप्रत्याशित और विपरीत परिस्थितियों में भयावह पीड़ा झेली, जब वे अपनी जड़ों से काट दिए गए। मतलब जहां उन्होंने अपने जीवन के कई वर्ष, दशक बिताए थे, जहां उनकी मेहनत से खड़ा किया गया व्यापार था, उनके पुरखे थे, उस मिट्टी से उन्हें अलग कर दिया गया। उन्हें अपना सब कुछ छोड़कर अपनी जगह से विस्थापित होना पड़ा। कई बार इस तरह विस्थापित होने वाले लोग किसी तरह सिर्फ अपनी जान बचा कर भाग जाते हैं, अपना सब कुछ, सारी संपदा छोड़ कर। उनका मानना बस यही होता है उस वक्त कि किसी तरह अपने बच्चों और परिवार की जान बच जाए। इस तड़प से जूझते व्यक्ति और समुदाय की पीड़ा को समझना क्या इतना आसान है? एक समय बहुत सारे लोगों को भारत आना पड़ा था और वह भी चोरी-छिपे, किसी तरह हांफते हुए अपनी जान-बचाकर। वैसे लोग आमतौर पर आड़े वक्त के लिए अपनी थोड़ी संपदा भी साथ नहीं ला पाते। बस वे किसी तरह अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों की ही सुरक्षा कर पाते हैं। इस क्रम में कितने ही लोग जान गंवा बैठते हैं, मारे जाते हैं और कई अपने प्रियजनों से बिछड़ जाते हैं। इसमें एक अहम पहलू यह भी है कि विस्थापन के दंश से सबसे ज्यादा स्त्रियों को गुजरना पड़ता है, जो उसके मायके से ससुराल जाने के साथ ही होता है। बहरहाल, विस्थापन की पीड़ा पुरुष भी झेलते हैं, जब वे नौकरी की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर, एक गांव से दूसरे गांव, एक जिले से दूसरे जिले तक आजीविका के लिए यात्रा करते हैं। इनमें कई पढ़े-लिखे युवक होते हैं और कई मजदूर और श्रमिक। श्रमिकों के जीवन में विस्थापन आमतौर पर पीड़ादायी ही होता है, जिन्हें कहीं जमने नहीं दिया जाता और बार-बार उजाड़ा जाता है। उजड़ना और जमना जीवन की दो स्वाभाविक प्रक्रिया हो जाती है, जिनसे बहुतों को गुजरना होता है।

चुनावी दहलीज पर दस्तावेजी जंग

आम चुनाव से पहले 'पेपर वॉर' की शुरुआत हो गई है। गुरुवार की सुबह कांग्रेस ने एनडीए के पिछले दस सालों के कार्यकाल को 'अन्याय काल' बताते हुए 'काला पत्र' जारी किया, तो शाम ढलते-ढलते यूपीए सरकार के 10 वर्षों के आर्थिक कुप्रबंधन पर सरकार की तरफ से 'श्वेत पत्र' संसद में पेश किया गया। इस पत्र को पेश करने की बात वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में ही कर दी थी। दोनों पत्रों में आंकड़ों के आधार पर अपने विरोधी पक्ष को घेरने का प्रयास किया गया है। यह इस बात का भी संकेत है कि आने वाला लोकसभा चुनाव काफी आक्रामक होने वाला है। अमूमन, चुनावों में प्रचार बढ़ने के साथ-साथ नेताओं के तेवर गरम होते जाते हैं, लेकिन इस बार सियासी मिजाज में यह तीखापन पहले से ही दिख रहा है। सरकार के श्वेत पत्र से पहले ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद शशि थरूर ने जिस तरह से आंकड़ों के साथ केंद्र सरकार, विशेषकर भाजपा को आड़े हाथों लिया, वह बताता है कि विपक्ष चुप बैठने को तैयार नहीं है। सरकार की तरफ से भी कोई मुरव्वत नहीं बरती जा रही। यह इस बार के आम चुनाव की अहमियत को दर्शाता है। जाहिर है, भाजपा हर हाल में सरकार बनाना चाहती है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीसरा कार्यकाल होगा और वह अगले 1,000 वर्षों में देश को खुशहाली के मामले में शिखर पर पहुंचाने की अपनी 'गारंटी' को एक मजबूत बुनियाद देना चाहते हैं। इसका जिक्र वह बार-बार करते भी रहे हैं। उधर, विपक्ष जानता है कि अगर इस बार वह बुरी तरह पिटा, तो उसके लिए अस्तित्व का संकट पैदा हो सकता है। 'करो या मरो' की यह स्थिति सिर्फ कांग्रेस के ही नहीं, कई अन्य क्षेत्रीय दलों के सामने भी है। यही वजह है कि कोई भी पक्ष मौका छोड़ना नहीं चाहता। इसमें यह 'दस्तावेजी जंग' उनके लिए मददगार हो सकती है। दरअसल, श्वेत पत्र एक प्रामाणिक दस्तावेज होता है। इसमें दर्ज आंकड़े सच माने जाते हैं, जिनको शायद ही चुनौती दी जाती है। इसी कारण वक्त-वक्त पर सरकार से श्वेत पत्र जारी करने की मांग विपक्ष करता रहता है। अभी पेगासस या पनामा पेपर्स मामले में भी हमने ऐसा होते देखा है। मगर श्वेत पत्र में सरकार की सोच, उसकी नीतियां, आगामी कार्ययोजनाओं के उसके प्रस्ताव पर जनता से रायशुमारी की झलक भी दिखती रही है। साल 1948 में ही तत्कालीन केंद्र सरकार ने कश्मीर विवाद पर भारत की स्थिति साफ करने के प्रयास में जम्मू-कश्मीर पर एक श्वेत पत्र जारी किया था। 1951 में प्रिवी पर्स पर जारी श्वेत पत्र को भी कमोबेश सरकार द्वारा अपनी मंशा स्पष्ट करने की श्रेणी में रखा जा सकता है। मगर अयोध्या पर आया श्वेत पत्र कुछ मामलों में अलग था। वह वर्ष 1993 का फरवरी माह था, जब नरसिंह राव सरकार ने अयोध्या पर श्वेत पत्र जारी किया था। उसमें यह विस्तार से बताया गया था कि किस तरह वह आंदोलन अपने चरम पर पहुंचा, किस तरह बाबरी मस्जिद को गिराया गया, यह घटना क्यों हुई, कौन जिम्मेदार था आदि। मगर इसके महज दो महीने के भीतर भाजपा ने भी एक श्वेत पत्र जारी किया, जिसमें उसने केंद्र सरकार की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया था। यह किसी पार्टी द्वारा श्वेत पत्र जारी करने का संभवतः पहला मामला था। राज्य सरकार भी इन सबमें पीछे नहीं रही है। पिछले दिनों ही तेलंगाना में रेवंत रेड्डी सरकार ने पूर्व की तेलंगाना राष्ट्र समिति (अब भारत राष्ट्र समिति) सरकार की आर्थिक नीतियों के खिलाफ श्वेत पत्र जारी किया था। वह बहुत कुछ वैसा ही था, जैसा अभी राजग गठबंधन ने यूपीए सरकार के खिलाफ पेश किया है। हालांकि, दोनों में एक बुनियादी अंतर यह है।

आज का राशिफल

मेष [illegible] सुभांक-3-6-8

वृषभ [illegible] सुभांक-1-3-5

मिथुन [illegible] सुभांक-2-4-7

कर्क [illegible] सुभांक-1-5-8

सिंह [illegible] सुभांक-3-6-8

कन्या [illegible] सुभांक-6-7-9

तुला [illegible] सुभांक-3-7-8

वृश्चिक [illegible] सुभांक-3-5-7

धनु [illegible] सुभांक-3-6-8

मकर [illegible] सुभांक-4-6-8

कुंभ [illegible] सुभांक-3-5-6

मीन [illegible] सुभांक-5-6-8

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5143

	9	2					7	4
				2	3			5
4								
	6			3	4			7
2		8	7	1	5	4		9
1			6	9			3	
								8
8			5	6				
7	4					3	2	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5142

8	5	1	7	2	9	6	4	3
4	2	3	5	6	8	1	7	9
7	9	6	1	4	3	2	8	5
2	8	7	3	1	5	4	9	6
3	6	9	4	8	7	5	2	1
1	4	5	6	9	2	8	3	7
9	7	2	8	5	6	3	1	4
5	1	8	9	3	4	7	6	2
6	3	4	2	7	1	9	5	8

वर्ग पहेली 5143

1	2		3	4	5		6
7		■	8			■	
9		10			11	12	
■	13		■	14	■		■
15	■	■	16		17		18
19	20			■	21		
22		■	23	24	■		■
25		■	26			■	■

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के प्रथम नोबल पुरस्कार विजेता जिनका निधन 7 अगस्त 1941 को हुआ था (8)
7. समय क्षेत्र अंतर, धेरिया, दूत (2)
8. परवरिश करने वाला, पालन-पोषण करने वाला, एक प्रकार की हरी तरकारी (3)
9. पाताल जहां नागों का निवास स्थान है (4)
11. कैच, उचक, झपट्टा (3)
13. उग, चह (2)
16. समसामयिक, सहकालीन, युगपदता (5)
19. चिंता करना, भयभीत होना (4)
21. काला करने वाला (3)
22. काला करने वाला (3)
23. पैदा, नीचे की सतह (2)
25. तेरा या तेरी (संस्कृत)(2)
26. नया, नूतन, नवीन, नव (3)

ऊपर से नीचे
1. कलाकृति, रचित करना, पुराणानुसार विश्वकर्मा की पत्नी का यह नाम था (3)
2. युद्ध में लड़ते-लड़ते मृत्यु प्राप्त होना (4)
3. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
4. धरती की वह सीमा जिस पर पानी न हो, सूखी धरती (2)
5. फुटबॉल, हॉकी आदि में विरोधी से गेंद छीनने का प्रयास करना (अंग्रेजी), समस्या का समाधान करना (3)
6. प्रेमकर्ता, प्रेमी, लहर (3)
10. नाक (मराठी); ऋण, कर्ज (अंग्रेजी)(2)
12. प्रतिपदा, पड़वा, परवी (5)
14. देह के बाल, रोआं (2)
15. महाकवि कालीदास की एक प्रसिद्ध कृति (4)
16. प्राचीनकाल से चला आता हुआ क्रम, परंपरागत (4)
17. फिल्म इंडस्ट्री में राजेश खन्ना इस नाम से भी जाने जाते थे, पिता के भाई (2)
18. जल प्राप्ति का कृत्रिम स्त्रोत (2)
20. रचना कर्म, अस्तित्व प्रदान, सृजन (3)
24. प्रेम, प्यार, मुहब्बत (2)

वर्ग पहेली 5142 का हल

ज	मै	का	■	म	■	पु	क
मा	ला	■	स	म	त	ल	■
■	आं	ख	व	ला	ना	■	ट
अ	च	ल	■	स	आ	व	ट
त	ल	■	आ	न	■	क	ल
ए	■	■	ना	■	जु	ण	■
व	जू	द	■	मी	■	आं	व
■	ल	र	ज	ना	■	दौ	र

पशुपतिनाथ लोक- तेजी से चल रहा है पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में पशुपतिनाथ लोक के नव निर्माण का कार्य।

कशमकश मैच में मंदसौर मेवरिक्स ने 2 रन से जीत दर्ज की

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गनेड़ीवाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वात्सल्य प्रीमियर लीग-2 क्रिकेट टूर्नामेंट के नवें दिन मंदसौर मेवरिक्स व मंदसौर इंडियन के बीच मैच हुआ। कश्मकश मैच में मंदसौर मेवरिक्स ने मात्र 2 रन से जीत दर्ज की।

मंदसौर मेवरिक्स ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 8 विकेट पर 162 रन बनाये। जिसमें रमनदीपसिंह ने 18 गेंद में 44 रन (3 चौके, 3 छक्के), कुंवर पाठक ने 11 गेंद पर 23 रन (4 चौके 1 छक्का), विशाल गोधरा ने 26 गेंद में 50 रन (4 चौके, 4 छक्के), शिवम शर्मा ने 15 गेंद में 16 रन (1 चौका), शुभम गड़वाल ने 12 गेंद में 17 रन (2 छक्के) बनाये। मंदसौर इंडियन के अर्जुन व मयंक रावत ने 3-3 विकेट लिये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मंदसौर इंडियन 15 ओवर में 160 रन ही बना सकी आखरी गेंद तक कश्मकश चले मैच में मंदसौर इंडियन को 2 रन से हार का मुहं देखना पड़ा। हालांकि अंकित ने 21 गेंद में 47 रन (4 चौके 4 छक्के), अर्पण ने नाबाद रहते हुए 20 गेंद में 48 रन (3 चौके, 5 छक्के) की पारी खेल मैच को अंतिम ओवर तक ले गये लेकिन अपनी टीम को जीता नहीं पाये। मंदसौर मेवरिक्स के शुभम गढ़वाल व ऋषभ शर्मा ने 2-2 विकेट लिये। मैन ऑफ द मैच विशाल गोदावत रहे।

युवक ने जहर खाया, मौत

मनासा, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर के भाटखेड़ी नाका क्षेत्र निवासी 32 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहर खा लिया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। पहले उसे मनासा के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से युवक को नीमच के बड़े अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन, युवक की गंभीर हालत को देखते हुए उसे नीमच से भी राजस्थान के उदयपुर के लिए रेफर किया गया। किन्तु, युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हालांकि परिजन उसे फिर भी कनावटी के एक निजी चिकित्सालय में ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक का नाम अनिल पिता भोनीराम धनगर हैद्ध जो भाटखेड़ी नाका मनासा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि उसने सल्फास की चार गोलियां खाई थी। वहीं मृतक के शव का रविवार सुबह मनासा के सरकारी अस्पताल में परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जन परिषद ने मनाया बसंत जन्मोत्सव स्मरण पर्व के रूप में बालकवि बैरागी का जन्म दिवस

स्नेह को साधे बिना यह धरती नहीं हिल पाएगी, आग को जिंदा रखो सो बातियां मिल जाएगी

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अविभाजित मंदसौर नीमच जिले के साहित्य पुरोधा कवि , लेखक , राजनेता बालकवि बैरागी का जन्म दिवस सांस्कृतिक और साहित्यिक संस्था 'जन परिषद ' ने बसंत जन्मोत्सव स्मरण पर्व शनिवार शाम ' साहित्य समागम ' के रूप में मनाया। दशपुर प्राच्य शोध संस्थान निदेशक एवं इतिहास वेत्ता श्री कैलाशचंद्र पांडेय साहित्य समागम के मुख्य अतिथि रहे।

कार्यक्रम वरिष्ठकवि गोपाल बैरागी राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव राजेंद्र तिवारी नंदकिशोर राठौर लाल बहादुर श्रीवास्तव नरेंद्र त्रिवेदी प्रदीप शर्मा ,अशोक झलोया अशोक त्रिपाठी राजेश दुबे हरीश दवे गोपाल पाटीदार श्रीमती चंदा डांगी , अभय कुमार जैन महावीर सिंह रघुवंशी अजय डांगी एवं अन्य की गरिमामय में उपस्थिति में मनाया। इस अवसर पर आरम्भ में जनपरिषद मंदसौर चैप्टर जिला संयोजक डॉ घनश्याम बटवाल एवं इतिहास व पुराविद कैलाशचंद्र पांडेय द्वारा बालकवि बैरागी चित्र पर माल्यार्पण किया। साहित्य समागम के मुख्य अतिथि पुराविद श्री कैलाशचंद्र पांडेय ने संबोधित करते हुए कहा कि लिखा हुआ और छपा हुआ शब्द शाश्वत रहता है। इतिहास इसका साक्ष्य प्रमाण बनता है। आज 94 वें जन्मजयंती अवसर पर भी साहित्यकार बालकवि बैरागी के योगदान को स्मरण कर रहे हैं। श्री पांडेय ने वर्तमान राजनीति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि साहित्य , संस्कृति , संस्कार , इतिहास आदि वर्ग से जुड़े रचनात्मक लोगों के लिए उनकी उपलब्धता नगण्य है। आपने कहा कवि , लेखक साहित्यकार याचक नहीं वह तो सृजन कर यथार्थ चित्रण कर सज़ग करता है। इस अवसर पर वरिष्ठपत्रकार अशोक झलोया ने कहा कि दादा बैरागी

जी की कविताएं आज भी प्रासंगिक हैं जिसमें से है अमावस से लड़ाई युद्ध है अंधियार से इस लड़ाई को लड़े कौन से हथियार से तथा स्नेहा को साधे बिना यह धरती नहीं हिल पाएगी आज को जिंदा रखो सो बतियां मिल जाएगी यह पंक्तियां आज भी नए कलमकारों को लिखने का जज्बा प्रदान करती हैं। फ़िल्म डायरेक्टर प्रदीप शर्मा ने कहा कि बैरागी दादा मंदसौर जिले की बहुत बड़ी साहित्यिक विरासत हैं अपने जिले के साथ देश-विदेश एवं सिने जगत और साहित्य में अपनी वाणी को मुखरित किया। राजस्थानी धरा पर बनी ख्वाजा अहमद अब्बास की फिल्म दो बूंद पानी के गीत 'पीतल की मोरी गागरी दिल्ली से मोल मंगाई ' में मालवी बोली को बहुत ही मधुरता के साथ पिरोया गया। इसी प्रकार फ़िल्म रेशमा और शेरा का गीत 'तू चंदा में चांदनी तू तरुवर में ' शब्दों से सजाया गया कि यह गीत स्वर कोकिला लताजी का भी सबसे प्रिय गीत बना जो आज भी हमारे कानों में बैरागी जी के शब्दों की मिठास को घोल रहा है।

वरिष्ठकवि गोपाल बैरागी ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि बालकवि बैरागी के ससुराल तारापुर में बैरागी जी को साइकिल पर बिठाकर ले गया और वही बैरागी जी के साथ कवि गोष्ठी में उनके सानिध्य में काव्य पाठ किया उनका गीत 'मारू जी की गली की में आगे रे लखारा ' आज भी लोकप्रिय एवं क्षेत्र की गलियों में गया जाता है। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त जनपद पंचायत विस्तार अधिकारी लालबहादुर श्रीवास्तव और लतामंगेशकर संगीत महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नरेंद्र त्रिवेदी ने बालकवि बैरागी पर केंद्रित रचना पाठ किया। नंदकिशोर राठौड़ हरीश दवे राजेश दुबे ने संस्मरण सुनाए। इस अवसर पर इतिहास और सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित कॉफी टेबल बुक संग्रह ' लोकपथ ' प्रति जनपरिषद संयोजक डॉ घनश्याम बटवाल ने मुख्य अतिथि पुराविद श्री पांडेय को सम्मान स्वरूप भेंट की।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत नप ने किया आयोजन

पिपलियामंडी, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण के तहत नगर परिषद् ने आयोजन किया। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं व पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से निकाली जा रही संकल्प यात्रा को लेकर आयोजित कार्यक्रम में समस्त विभागों ने स्टाल लगाए व योजनाओं के लाभ के लिए हितग्राहियों के फार्म भरे। लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। संचालन इन्द्रजीत भट्ट व आभार नप उपाध्यक्ष भारतसिंह सोनगरा ने माना।

लायंस क्लब ने कराए नेत्रदान कोठारी परिवार को दिया साधुवाद

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अन्धत्व निवारण व नेत्रदान में अग्रणी संस्था लायंस क्लब मंदसौर को सत्र का 12वां नेत्रदान प्राप्त हुआ है। लायंस क्लब ने जितेन्द्र कोठारी एवं धर्मेन्द्र कोठारी के पिताश्री अजीत कुमार कोठारी के देहावसान पर नेत्रदान प्राप्त किया। लायंस क्लब की प्रेरणा से कोठारी परिवार ने माता के नेत्रदान का निर्णय लिया। इस निर्णय का सम्मान करते हुए लॉयंस क्लब ने सफल नेत्रदान करवाया। नेत्र उत्सर्जन की चिकित्सकीय प्रक्रिया क्लब अध्यक्ष डॉ. मजहर हुसैन द्वारा संपादित कराई। इस मौके पर लायंस क्लब सचिव प्रेम पाटीदार, प्रोजेक्ट चेयरमेन सीए विकास भंडारी एवं लायन भरत कोठारी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं परिजनों को उनके नेक कार्य के लिए साधुवाद ज्ञापित किया।

22वां मेव इज्तिमाई शादी सम्मेलन 21 अप्रैल को सोनगरी में

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मेव सोश्यल वेलफेयर सोसायटी मंदसौर की जानिब से हर वर्षानुसार इस वर्ष भी 22वां मेव इज्तिमाई शादी सम्मेलन 21 अप्रैल 2024 को महू-नीमच रोड़ स्थित गैबशाह वाली दरगाह सोनगरी में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन के आफीस की इफ्तिदा हुई। तथा सम्मेलन हेतु चर्चा की गई। जिसमें शादी सम्मेलन हेतु सदर मोहम्मद इमरान खां (मयुर मिनाक्षी ट्रेवल्स) को बनाया गया। मेव सोश्यल वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष असगर खां मेव ने बताया पिछले वर्षों की तरह इस बार भी सभी मुस्लिम बिरादरी का मेव इज्तिमाई शादी सम्मेलन बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। सम्मेलन हेतु शादी योग्य युवक-युवतियो के रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई जिसमें 11 जोड़ों के रजिस्ट्रेशन हो चुके है। इज्तिमाई शादी सम्मेलन कमेटी का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक जोड़े निकाह हेतु तैयार हो। सम्मेलन में शादी करवाने हेतु मो.नं. 9826280421, 7999494477, 9926011219, 9926036422, 7000922044 पर सम्पर्क कर सकते है या सम्मेलन के ऑफीस मयुर मीनाक्षी ट्रेवर्ल्स, फिरदोस मंजिल के नीचे नयापुरा रोड़ शुक्ला चौक मंदसौर पर आकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। इस मौके पर नाहरू खां एन.के. इंजीनियर, सदर इमरान भाई उर्फ भुरू (आयफा होटल), ताहिर खा, हाजी भूरे खां, तोफिक खां सरपंच, असलम खां सदर, आबिद भाई पार्षद, राजा खां, इरफान खां, अमजद खां, फिरोज खां, युनुस खां, युसुफ खां, हमीद खां सदर, युसुफ जनाब आदि उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मेव सोश्यल वेलफेयर सोसायटी के सेक्रेटरी सईद खां खेड़ेवाले ने दी।

श्याम भजन संध्या का आयोजन 24 को

नीमच, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। फागुन महीने के प्रथम दिन दिनांक 24 फरवरी 2024, शनिवार को दशहरा मैदान,नीमच में भव्य खाटू श्याम बाबा भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नीमच में पहली बार सुप्रसिद्ध भजन सम्राट श्री छोटू सिंह रावणा अपने भजनों की प्रस्तुति बाबा के भव्य दरबार में देंगे। भजन संगीत की दुनिया में अपनी बुलंद आवाज से भजनों के माध्यम से प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले श्याम भक्त श्री छोटू सिंह रावणा अपने भजनों से श्याम प्रेमियों को भक्तिपूर्ण माहौल में रमेंगे। साथ ही इंदौर की सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री जिया परमार भी अपने भजनों से भक्ति का माहौल बनाएगी। भव्य भजन संध्या में बाबा का अलौकिक दरबार,पुष्प वर्षा, इत्र वर्षा,अखंड ज्योत के साथ साथ बाबा को 56 भोग प्रसाद लगाया जाएगा। सभी धर्म प्रेमी जनता एवं श्याम प्रेमी इस भजन संध्या में बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी लगाने जरूर पधारे।।

साहित्य जीवन का उत्सव है, मानव के पूर्ण होने में सृजन एक महत्वपूर्ण माध्यम है-डा. ठाकरे

मनासा, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। साहित्य जीवन का जुड़ाव है, यह शब्दों में संस्कृति व समाज को जिंदा रखता है उक्त उदगार प्रसिद्ध कवियत्री डा प्रेरणा ठाकरे के है जो उन्होनें मनासा में आयोजित श्री बालकवि बैरागी जन्मोत्सव पर संस्था संकल्प एवम गांधी 150 गांधी विचार मंच द्वारा आयोजित विशिष्ठ आयोजन में व्यक्त किए।

श्रीमति ठाकरे ने मनासा से अपने बचपन, बैरागी जी मिले स्नेह, गीतों कविताओं पर बेबाकी से अपनी बात रखी। स्थानीय विष्णु भोजनालय सभागार में आयोजित इस महत्वपूर्ण साहित्यिक ओर सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत क्षेत्र के पूर्व सांसद व साहित्यकार श्री बालकवि बैरागी के जेष्ठ पुत्र समाजसेवी से सुशिलनंदन मुन्ना बैरागी, डॉ श्रीमती प्रेरणा ठाकरे, क्षेत्र के जाने पहचाने समाजसेवी मंगेश शंघई, संस्था संकल्प के कार्यक्रम संयोजक अभिभाषक कैलाश पाटीदार कबीर द्वारा श्री बालकवि बैरागी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात के बालकवि बैरागी के यादगार गीतों, कविताओं को उन्हीं के अंदाज में कन्हैयालाल गहलोत, दिनेश व्यास (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष), राम प्रसाद गहलोत, कैलाश पाटीदार ने अपने स्वर दिए। कार्यक्रम में मुन्ना बैरागी ने बैरागी जी पर अपना नजरिया रखा, उनके संघर्ष को बहुत से अनछुए पहलुओं को सबके बीच रखा। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में नगर के और आसपास के अनेक रचनाकारों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से अपने विचारों से सभी को मंत्र मुग्धकर दिया। इन रचनाधर्मी में नरेंद्र व्यास, ख्यात पेंटर मदन राठौर खेलड़ी, महेश नंदवाना, सुरेश प्रजापति दादू, शेलू पोरवाल, अनिल बावेल, श्याम चौहान प्रमुख थे। कार्यक्रम में अनेक सामाजिक संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधियों के अलावा अजय तिवारी, डा पूरण सहगल, अर्जुन पंजाबी, चंद्र शेखर पालीवाल, संजय समदानी, पर्यावरण सारथी आनंद मानवत, अधिवक्ता घनश्याम कासथ, श्याम समदानी, नरेन्द्र शर्मा,गुलाब सिंह चंद्रावत, मंगल पाटीदार,चंद्रप्रकाश विजयवर्गीय, कमलेश पाटीदार, उषा सचदेवा, संजय विजयवर्गीय, अनिल झवर, रितेश जैन, प्रमित गांधी, रामेश्वर गाइड टेलर, जगदीश तोषनीवाल, पत्रकार कैलाश सोडाणी, सलिम कुरैशी, विनय मालपानी सहित श्री बैरागी से स्नेह रखने वाले लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गांधी 150 (गांधी विचार मंच) के संयोजक महेश नंदवाना ने किया , आभार संस्था संकल्प के कैलाश पाटीदार (कबीर) ने किया।

ट्रेक्टर-ट्रालियों पर रिफलेक्टर लगाने के लिए अभियान आज

नीमच, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में सडक सुरक्षा अभियान के तहत कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में आज 12 फरवरी 2024 को जिले में उपलब्ध सभी ट्रेक्टरर ट्रॉलियों पर रिफलेक्टर लगाने के लिए विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। जिले में ट्रेक्टर ट्रॉलियों पर रिफलेक्टर लगाने के लिए विशेष अभियान के लिए नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये है।

जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद इस अभियान के जिला नोडल अधिकारी है। जिला परिवहन अधिकारी को ट्रेक्टर ट्रॉलियों पर लगाने के लिए 12 हजार रिफलेक्टर की व्यवस्था करने का दायित्व सौंपा गया है। एसडीएम इस अभियान के विकासखण्ड स्तरीय नोडल अधिकारी एवं जनपद सीईओ सहायक नोडल अधिकारी रहेगें। जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद ने बताया, कि रिफलेक्टर लगाने के विशेष अभियान के तहत 12 फरवरी को प्रात: 10 बजे से रात्रि 8 बजे तक रिफलेक्टर लगाने का कार्य किया जावेगा। एसडीएम प्रति दो घन्टे में अभियान के तहत लगाये गये रिफलेक्टर एंव ट्रेक्टर ट्रॉलियों की संख्यात्मक जानकारी की रिर्पोट देगें। तहसीलदार एवं जनपद सीईओ क्षेत्र का सतत भ्रमण कर, अभियान की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करेगें।

मंदसौर के एसआई नितीन कुमावत अभा प्रतियोगिता में करेंगे प्रदेश का प्रतिनिधित्व

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पुलिस डयूटी मीट 2023-24 में अखिल भारतीय (आल इंडिया) स्तर की प्रतियोगिता लखनऊमें आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में मंदसौर पुलिस लाइन में पदस्थ एसआई नितीन कुमावत इन्वेटीगेशन समूह में मप्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पहले जोन एवं प्रदेश स्तर पर आयोजित हुई प्रतियोगिता में एसआई नितीन कुमावत ने बेहतर कौशल का प्रदर्शन किया। इसी के आधार पर उनका राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन हुआ है। इसके साथ मंदसौर के एएसआई अर्जुन मालवीय फोटोग्राफी समूह में इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

पुलिस डयूटी मीट 2023-24 में सांइटिफिक एड टू इन्वेस्टीगेशन, पुलिस फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी की प्रतियोगिता आयोजित हो रही है। सबसे पहले जोन स्तरीय प्रतियोगिता रतलाम में आयोजित हुई। जोन के 9 जिलो के पुलिसकर्मी शामिल हुए। इसमें मंदसौर के एसआई नीतिन कुमावत द्वारा इन्वेस्टीगेशन समूह में बेहतर प्रदर्शन किया। इसके बाद भोपाल में हुई प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भी एसआई कुमावत का बेहतर प्रदर्शन रहा। इसी आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हुआ है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 12 से 16 फरवरी तक उत्तरप्रदेश के लखनऊ में आयोजित होगी। इस प्रतियोगिता में एसआई नितीन कुमावत इन्वेस्टीगशन समूह में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके साथ ही एएसआई अर्जुन मालवीय भी फोटोग्राफी समूह में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कलेक्टर आज ई-जनसुनवाई करेंगे

नीमच, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन आज 12 फरवरी 2024 सोमवार को प्रात: 10.30 बजे कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में ई-जनसुनवाई करेंगे। कलेक्टर श्री जैन ई-जनसुनवाई में नीमच क्षेत्र की ग्राम पंचायत केलुखेडा, सिरखेडा, नेवड, सोनियाना एवं मुंडला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद कर,ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनका निराकरण करेंगे।

अनेक बेदाग निरीक्षक और आरक्षक लाईन में लेकिन दर्ज प्रकरण एवं जांच में फंसे पुलिसकर्मी चला रहे है थाने- भाटी

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला प्रशासन की अहम कडी में पुलिस प्रशासन भी कार्य करता है। आम नागरिको की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाने संबंधी अहम दायित्व निभाने वाले पुलिस प्रशासन की ईमानदारी पर दागी पुलिसकर्मी दाग के समान दिखायी दे रहे है। पिछले दिनों विधानसभा में पुछे गये सवाल के जवाब में गृह विभाग का कार्य देख रहे मुख्यमंत्री श्री यादव द्वारा स्वयं जानकारी दी गयी कि मंदसौर जिले में एनडीपीएस एक्ट के झूठे प्रकरण में फंसाने की शिकायतो में लगभग 15 से अधिक पुलिसकर्मियो पर प्रकरण दर्ज है। इसके अलावा मंदसौर जिले में रिश्वत के अलावा न्याय अभिरक्षा में मौत सहित अनेक मामलो में आरोपी पुलिस कर्मी थानो पर तैनात है जबकी अनेक योग्य बेदाग निरिक्षक और पुलिस कर्मी लाईन में पडे है। पुलिस विभाग की यह कार्यप्रणाली अनेक सवाल पैदा करती है। पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं ईमानदार व्यवस्था देन हेतु तत्काल दागी पुलिसकर्मिया को हटाकर लाईन में पडे बेदाग एवं उर्जावान पुलिस कर्मिया को तैनाती की जाना चाहियें।

यह बात जिला कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी ने कही। उन्होनें मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को लिखे पत्र के माध्यम से कहा कि मंदसौर जिले में पिछले काफी समय से थानो में तैनात अनेक निरिक्षक एवं पुलिसकर्मियो पर झूठे प्रकरण में फंसाने, पुलिस अभिरक्षा में मौत, रिश्वत आदी अनेक मामलो में प्रकरण दर्ज है। जिन पुलिसकर्मियो पर यह आरोपो के साथ ही प्रकरण दर्ज है उन्हें तत्काल मंदसौर जिले के थानो से हटाने की कार्यवाही की जाना चाहिये थी किन्तु ऐसा नही हुआ। श्री भाटी ने नेताप्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार को भी इस मसले की गंभीरता से अवगत कराते हुये कहा कि पुलिसकर्मियो पर दर्ज प्रकरणो एवं लंबित जांच के मामलो के बावजुद पुलिसकर्मियो की थानो पर तैनाती से फरियादियो का मनोबल कमजोर होता है, इसके साथ ही जारी जांच एवं अन्य मामलो में फरियादी पक्ष दबाव में रहता है, इस स्थिति में दागी पुलिस कर्मियो को हटाया जाना चाहिये। श्री भाटी ने लाईन में पडे अनेक निरिक्षको एवं आरक्षको के होने के बावजुद थानो पर दागी स्टाफ के होने पर अनेक सवाल खडे करते हुये कहा कि शायद पुलिस विभाग के आला अधिकारी दागीयो के भरोसे ही प्रशासन का कार्य संभाल रहा है जिसके चलते जांच एवं प्रकरणो में फंसे पुलिसकर्मियो पर मेहरबानी ओर लाईन में पडे कर्मचारियो के प्रति बेरूखी दिखायी दे रही है।

प्राथमिक विद्यालय और गांव का सम्पूर्ण विकास ही मेरी पहली प्राथमिकता है-आंजना

नवीन गेट का उद्घाटन, एलईडी टीवी प्रसारण और स्नेह भोज, प्रतिभा सम्मान के साथ मना वार्षिकोत्सव

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शासकीय प्रथमिक विद्यालय डिगॉवमाली मे प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया जिसमे प्रारंभ मे सरपंच दशरथ आंजना तथा पुर्व सरपंच हरिवल्लभ शर्मा द्वारा दिप प्रज्ञवलन कर विद्यालय के नवीन गेट का उद्घाटन किया गया। ग्राम के पटेल लाल सिंह आंजना उपसरंपच भैरूलाल चौहान ने एलइडी टीवी प्रसारण पर हर्ष व्यक्त किया। माता सरस्वती व भारत माता के चित्र पर गणमान्य नागरिको द्वारा पुष्पांजली अर्पित कर सरस्वती वंदना शबाना मंसुरी और दिक्षा मालवीय द्वारा प्रस्तुत की गई। प्रारंभ मे संस्था परिचय एवं अतिथि परिचय देते हूए मनीष पारिख सर ने कहा कि दान और कर्म ही जीवन के दो आधार है। दिया हुआ दान और किया हुआ कर्म ही हमारी पहचान होता है। राष्ट्र को प्रथम मानकर किया गया दान एवं कर्म सदैव वंदनीय और प्रशंसनीय होता है। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि दशरथ आंजना ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय और गॉव का सम्पूर्ण विकास ही मेरी पहली प्राथमिकता है बाउंड्रीवाल और सीमेंट कांक्रीट हेतु तकनीकी स्वीकृति टीएस जारी की जा रही है। समाजसेवी राजाराम तंवर ने शाला विकास मे किये जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं को ग्यारह सौ रूपय नगद राशि देकर सम्मानित किया। शिक्षाविद अजीजुल्लाह खान खालीद सर ने कहा कि शिक्षा एवं संस्कार से ही राष्ट्रीय प्रतिभाओं का जन्म होता है जो राष्ट्र प्रथम के भाव को आगे रखकर परिवार, समाज एवं देश का नाम रोशन करते है। पब्लिक वेलफयर सौसायटी के ईजी. महेन्द्र जैन ने कॉपी और पेन बाटकर अपने जन्मदिन को सार्थक बनाया। बाल कल्याण समिति के सदस्य उमराव सिंह जैन एड. ने गुड टच बेट टच और बाल संरक्षण अधिनियम कि

नवीन नियमो से समस्त ग्राम वासी एवं बचो को अवगत कराया।

उत्कृष्ट विद्यालय मंदसौर के शिक्षक आशिष बंसल ने तीन हजार एक सौ रूपये के आईडी कार्ड प्रमाण पत्र और अंग्रेजी बाल पोथी देकर बचो को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि शिक्षा वह चाबी है जो भाग्य का दरवाजा खोलती है। पुरूषार्थ जीवन निर्माण की जननी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिर भट्टने दो हजार रूपये के कम्पास बाटल आदी बाटकर बचो को प्रोत्साहीत किया। श्री चैतन भावसर द्वारा बाटल कम्पास सत्यनारायण सोमानी द्वारा चाकलेट बिस्कीट, पालक संघ अध्यक्ष रामकन्याबाई सुर्यवंशी द्वारा एक हजार रूपये की शैक्षणिक सामग्री, पालक संघ उपाध्यक्ष हेमन्त सुनार्थी द्वारा पॉच सौ रूपये की शैक्षणिक सामग्री तथा मोहम्मद मंसुरी द्वारा भेट की गई। गॉव के रामेश्वर मीणा द्वारा छ: सौ रूपय की शैक्षणिक सामग्री, स्नेहील शर्मा विद्युत मंडल द्वारा पंद्राह सौ रूपये की शैक्षणिक सामग्री भेट की गई। युवा व्यवसायी भारतसिंह आंजना द्वारा पेड़ के चबुतरे की मरम्मत हेतु पॉच हजार रूपये तथा झुले चकरी लगने के पश्चात तीन डंपर 6 एमएम काली चुरी गिट्टी डालकर मैदान का सौद्धरीयकरण किया जायेगा। इस अवसर पर रूघनाथ सिंह आंजना, अमृतलाल आंजना ने भी शाला विकास मे अपने विचार व्यक्त किये। चतरभुज आंजना, डॉ हरिश लक्कड, अमृतलाल चौहान, राधेश्याम सुर्यवंशी रामेश्वर जी मिणा, नारद शर्मा, विजय माली, अरविन्द जैन, मोहम्मद मंसुरी, नरेन्द्र मालवीय, जगदीश दमामी, भगतराम पाटीदार सहायक सचिव, समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका, मध्यान भोजन प्रभारी एवं सहयोगी तथा ग्राम वासी पालक गण आदि उपस्थित थे। अंत में स्वर्गीय श्री मोहनलाल पारिख की स्मृती मे नन्हे मुन्ने बचो तथा आमंत्रित अतिथियों को स्नेह भोज कराया गया। यह जानकारी मनीष पारिख सर ने दी।

बंसल की पहल का हुआ असर...

आज पीआईसी बैठक

मगर 700 प्रकरण एक साथ संदेहास्पद

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पाषर्द सुनील बंसल की पहल रंग लाई है नगर पालिका परिषद मंदसौर की पीआआईसी की बैठक 120 दिनों से नहीं हुई इस आशय का एक पत्र नगर पालिका अध्यक्ष को देने मीडिया को बयान देने के बाद नगर पालिका के जिम्मेदारों की आंखें खुली है दिनांक 12 फरवरी को पीआईसी की मीटिंग आहूत की गई है।परंतु जनता को गुमराह करने के लिए इस मीटिंग में 700 प्रकरणों का एक साथ पीआईसी में रखना उस पर नामांतरण और मंदसौर शहर के विकास के अनेक प्रकरणों को रखकर जिस प्रकार नगर पालिका के अध्यक्ष व जवाबदार लोग जनता को गुमराह कर रहे हैं वह न्यायोचित नहीं है 700 प्रकरण की फाइलों को पढकर सुनाने में उस पर विचार विमर्श करने के लिए कम से कम 15 से 20 घंटे का वक्त लगता है। जबकि देखने में आ रहा है कि आधा से 1 घंटे के अंदर में मीटिंग समाप्त कर देते हैं फाइलों का बस्ता भी नहीं खुलता है और प्रस्ताव बंद बस्तै में ही पारित हो जाते हैं और देखने में आता है कि पीआई सी की मीटिंग में सभापति की जगह प्रतिनिधि बैठक में रहते हैं।

श्री बंसल ने कलेक्टर से मांग की है कि उक्त पीआईसी की मीटिंग की वीडियोग्राफी कराई जाए कितने प्रकरण पढ़े गए उसे मीटिंग में कौन-कौन थे यह जनता के सामने आना चाहिए। एक्ट में सीधा प्रावधान है कि सभापति ही मीटिंग में उपलब्ध रहे अगर उनके प्रतिनिधि रहते हैं तो उसे आयोय की घोषित किया जाना है तो नगर पालिका सीएमओ को भी उक्त जवाबदारी को निभाना चाहिए। उन्हें अगर सभापति के अतिरिक्त अगर कोई अन्य व्यक्ति है तो उसे बाहर निकलना चाहिए ताकि प्रजातंत्र का मखौल नहीं उड़े।

पं.दीनदयाल उपाध्याय का सम्पूर्ण जीवन प्रेरणादायी-चन्द्रे

भाजपा ने पं.दीनदयाल जी की पुण्यतिथि मना कर पुष्पांजलि अर्पित की

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष माननीय विष्णु दत्त जी शर्मा एंव प्रदेश संगठन महामंत्री हितानन्द शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय पर भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि 11 फरवरी को मनाई। मंदसौर जिले में भी भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में समस्त 18 संगठनात्मक मंडलो एंव बूथ स्तर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि मनाई गई। पं.दीनदयाल उपाध्याय उद्यान मंदसौर में भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओ ने मुख्य वक्ता शिक्षाविद रमेशचंद्र चन्द्रे, किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर एंव भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मदन लाल राठौर, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सदस्य अनिल कियावत, मुकेश काला भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह आंजना, समर्पण निधि जिला संयोजक राजेश सेठिया, नपा अध्यक्ष रमादेवी गुर्जर, भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत के साथ उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश व संगठन के प्रति की गई सेवाओं को स्मरण कर पुण्यतिथि मनाई।

पुष्पांजलि के उपरांत भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए शिक्षाविद रमेशचंद्र चंद्रे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि के आधार हैं पंडित दीनदयाल उपाध्याय, तत्कालीन कांग्रेस सरकार जिसके प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू थे वे नहीं चाहते थे कि अन्य कोई विचारशील राजनीतिक पार्टी भारत में उभरे किंतु पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नेतृत्व में एकात्म मानववाद का संदेश लेकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की गई जिसने जिसने जिसने लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति पर अपना ध्यान केंद्रित कर उसके उत्थान के लिए राजनीति के माध्यम से सेवा कार्य शुरू किया। कार्यक्रम में इस अवसर कार्यकर्ताओं को आजीवन सहयोग निधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर हमें पुन: हर वर्ष के भांती समर्पण निधि राशि संगठन को देना है। मेरा आप सभी पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं से आग्रह है की प्रदेश भाजपा एंव जिला भाजपा की मंशानुरूप आप आजीवन सहयोग निधि संगठन में देकर पार्टी को मजबूती प्रदान करें। कार्यक्रम का संचालन भाजपा उत्तर मण्डल अध्यक्ष अरविन्द सारस्वत ने किया। समर्पण दिवस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश संयोजक बाबूलाल चौहान, तेजपाल सिंह धाकडी, पूर्व जिला अध्यक्ष कारुलाल, सोनी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश पालीवाल, राजेश नामदेव, जिला कोषाध्यक्ष राजु चावला, जिला मंत्री दिलीप सिंह तरनोद, सह कोषाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन, जिला कार्यालय मंत्री अंकित सोनी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, हिम्मत डांगी, बिन्दु चन्द्रे, प्रकोष्ठ जिला सयोंजक, कपिल भंडारी, विनय दुबेला, पुलकित पटवा, विजय सुराणा, गौरव अग्रवाल, युवा मोर्चा जिला महामंत्री बंटी चौहान, पार्षदगण निर्मला चंदवानी, आशीष गौड रामेश्वर मकवाना, सुनीता भावसार, , रेखा सोनी,, ईश्वर सिंह चैहान, रमेश ग्वाला, गोर्धनलाल कुमावत, अनूप माहेश्वरी, कमलेश सिसोदिया, युसूफ गौरी, अनिल मालवीय, महेश जुनवाल, सुनील जैन, सुनील योगी, विजय पोपट, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री अजीज उल्लाह खान, उमेश पारीख, राजाराम तंवर सहित अनेक पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्तागण उपस्थित थे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

महर्षि दयानन्द सरस्वती की जन्म जयंती पर हवन, भजन, प्रवचन, सत्संग सम्पन्न

पिपलियामंडी, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती का 200 वीं जन्म जयन्ती आर्य समाज ने हर्षोल्लास से मनाई। शासकीय अस्पताल के सामने स्थित आर्य समाज भवन पर 21 कुंडीय यज्ञ के साथ भजन, प्रवचन, सत्संग का आयोजन किया। जिसमें नीमच, मंदसौर, नारायणगढ़, बूढा, टकरावद, कनघट्टी, बरखेड़ा पंथ, खेड़ा खदान, नेनोरा, खोखरा, मुन्देडी, लुनाहेडा, अमरपुरा आदि स्थानों के प्रतिनिधियो ने हिस्सा लिया। अतिथि नारकोटिक्स विभाग के डिप्टी कमिश्नर रमेश पारेख, मुन्देड़ी के पूर्व सरपंच कृष्णपालसिंह शक्तावत थे। पुरुषोत्तम तिवारी, मांगीलाल आर्य, बंशीलाल कारपेंटर, आदित्य आर्य ने ऋषि महिमा के भजन प्रस्तुत किए। रमेश पारेख ने सत्य के मार्ग पर चलने का आव्हान किया, कुंजीलाल आर्य ने महर्षि दयानंद के जीवन के संस्मरण सुनाए, मोहनलाल दशोरा ने महर्षि के जीवन पर उपदेश प्रस्तुत किया।

पहलवानी के लिये पहचाना जाएगा मंदसौर

कुश्ती संघ और व्यायाम शालाओं ने सामूहिक रूप से लिया निर्णय, 12 व्यायाम शालाओं द्वारा प्रति दो माह में किया जाएगा कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में अब पूरे साल कुश्ती प्रतियोगिता होगी। इससे कुश्ती खेल को भी बढ़ावा मिलेगा और मंदसौर के पहलवान कुश्ती खेल में आगे भी बढ़ पाएंगे। कुश्ती संघ और मंदसौर नगर की 12 व्यायाम शालाओं ने सामूहिक रूप से यह निर्णय लिया है। जिला कुश्ती संघ एवं व्यायाम शालाओं के संचालक व पहलवानों की रविवार को आयोजित हुई बैठक में निर्णय लिया गया है की नगर में प्रति दो माह में कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिन 12 व्यायाम शालाओं द्वारा यह निर्णय लिया गया है, उनमें दो-दो व्यायाम शाला मिलकर एक प्रतियोगिता आयोजित करेगी। क्रम से सभी को कुश्ती प्रतियोगिता करवाने का अवसर मिलेगा। इस तरह एक साल में छह प्रतियोगिताएं आयोजित हो जाएगी। वहीं वर्ष में एक बड़ी प्रतियोगिता जैसे मंदसौर-नीमच-प्रतापगढ़ केसरी या मालवा-मेवाड़ केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन कुश्ती संघ द्वारा किया जाएगा। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं हुडको डायरेक्टर बंशीलाल गुर्जर, भाजपा नेता अनिल कियावत, वरिष्ठपत्रकार नेमीचंद राठौर, सुधीर शर्मा, समाजसेवी मनोज सांखला, कुश्ती संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप ग्वाला, सचिव मुंशी खां सिंघल भी मंचासीन थे।

इस अवसर पर बंशीलाल गुर्जर ने कहा की जिला कुश्ती संघ व नगर की व्यायाम शालाओं द्वारा बहुत ही सराहनीय निर्णय लिया है। साल में 6 कुश्ती प्रतियोगिताएं व्यायाम शालाओं द्वारा की जाएगी और एक बड़ी प्रतियोगिता आयोजित होगी। इससे जिले में कुश्ती खेल के प्रति पहलवानों में जूनून ओर बढ़ेगा, बार-बार प्रतियोगिता आयोजित होने से पहलवान अपने खेल कौशल को भी तेजी से सुधार पाएंगे, कमियों को दूर कर लेंगे। कुश्ती प्रतियोगिताओं के आयोजनों की निरंतरता बनी रहने से मंदसौर पहलवानी के क्षेत्र में अपनी पहचान स्थापित करेगा। जिला एवं संभाग या मालवा-मेवाड़ केसरी जैसी प्रतियोगिताओं में हम सदैव कुश्ती संघ और व्यायाम शालाओं के साथ खड़े रहेंगे। भाजपा नेता अनिल कियावत ने कहा की जिला कुश्ती संघ और 12 व्यायाम शालाओं द्वारा हर दो माह में कुश्ती आयोजन का यह निर्णय कुश्ती खेल के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। लगातार कुश्ती प्रतियोगिताएं होगी तो मंदसौर व आसपास क्षेत्र एवं जिले के पहलवान तेजी से आगे बढ़ेंगे, आने वाले समय में मंदसौर का कुश्ती खेल बहुत उंच्चाई पर हमे नजर आएगा। वहीं जो व्यायाम शाला बंद हो गई है या पहलवानी करने के लिये युवा वहां नहीं पहुंचते है वहां भी पहलवान तैयार होने लगेंगे। बैठक में स्वागत भाषण जिला कुश्ती संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप ग्वाला ने दिया। संचालन जिला कुश्ती संघ के संयोजक विनय दुबेला ने किया आभार जिला सचिव मुंशी खां सिंघल ने माना।

इन व्यायाम शालाओं द्वारा आयोजित होगी कुश्ती प्रतियोगिता - नगर की 12 व्यायाम शालाओं द्वारा साल में 6 कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित करने की जिम्मेदारी ली है। इनमें दो व्यायाम शालाएं मिलकर एक कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित करवाएगी। इन व्यायाम शालाओं में नृसिंह घाट रेसलिंग सेंटर, हीरा की बगीची, महादेव घाट अखाड़ा, शनिदेव व्यायाम शाला, दुदन सय्यद अखाड़ा, हुसैनी अखाड़ा, चांदशाह वली अखाड़ा, अमानी अखाड़ा, गोंदी घाट व्यायाम शाला, हरदेव लाला व्यायाम शाला एवं वाल्मीकि व्यायाम शाला शामिल है। इसके अलावा जिला कुश्ती संघ द्वारा साल में एक बार जिला केसरी या मालवा-मेवाड़ कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

गुर्जर दम्पत्ति ने समर्पण निधि भेट की

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पं दिनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप ने भी मनायी गयी। मंदसौर कषि उपाज मण्डी में पं दिनदयालजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के उपरांत भाजपा किसान मोर्चा राष्टिय उपाध्यक्ष श्री बंशीलाल गुर्जर नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, ने भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया व आजीवन सहयोग निधी प्रभारी श्री राजेश सेठिया गरोठ, की चेक के माध्यम के माध्यम से सर्मपण निधी भेट की। इस अवसर पर कई भाजपा नेता व कार्यकर्तागण भी उपस्थित थे।

हमारा मूल दृष्टिकोण ही आध्यात्मिक है-मुख्यमंत्री

उज्जैन में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी के तीन दिवसीय विमर्श कार्यक्रम में हुए शामिल

उज्जैन, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने माधव सेवा न्यास में विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी मध्य प्रान्त के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि हे भारत आध्यात्मिकता से विश्व विजयी बनो। यह विमर्श हमारा मूल दृष्टिकोण है। हम मूलत: आध्यात्मिक हैं। हमारा मूल दृष्टिकोण आध्यात्मिक है। सम्पूर्ण प्रकृति में परमेश्वर निहित है। उसे बस आध्यात्मिक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे इतिहास में हमारा प्राचीन ज्ञान-विज्ञान समाहित है। कुंभ का मेला नक्षत्र के अनुसार होता है। प्रत्येक बारह वर्ष में उज्जैन में सिंहस्थ का आयोजन किया जाता है। बाकी जगह आयोजित होने वाले मेले को कुंभ कहा जाता है, लेकिन उज्जैन में आयोजित होने वाले कुंभ को सिंहस्थ कहा जाता है। सिंहस्थ में विवेकानन्द एवं रामकृष्ण मिशन के मानने वाले भी आते हैं। परमेश्वर पूरी सृष्टि में विद्यमान है। डॉ.यादव ने कहा कि आध्यात्मिकता की यात्रा ही भारत की विकास यात्रा है। उज्जैन में स्थित डोंगला में स्टेण्डर्ड टाईम की गणना होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने विदेशियों को बताया कि पौधों में प्राण होते हैं, लेकिन यह भावना प्राचीनकाल से ही हमारे मन में है कि पौधों में भी जीवन होता है। विमर्श कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने एकनाथ रनाडे के विचारों पर विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमार के विद्यार्थियों द्वारा लिखित पुस्तक ध्येयनिष्ठजीवन का विमोचन किया।

मीडिया के समक्ष शुभकामना दी- मिडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे मालूम है स्वामी विवेकानंद के मानव जीवन कई जन्मों के पुण्य के बाद मिलता है,इसलिए मानव जीवन की सार्थकता होना चाहिए।समूचा समाज चराचर जगत में आध्यात्म फैला हुआ है। मैं विवेकानंद केंद्र के उद्धात विचारों की सराहना करता हुं और मैं स्वयं आज कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। एक अच्छे विचार को लेकर एक बडा संगठन है में उनके प्रति शुभकामना देता हुं।

स्वभाव ही आध्यात्मिकता है-पद्म श्री भिडे- विवेकानन्द केन्द्र कन्याकुमारी की उपाध्यक्ष पद्मश्री डॉ.निवेदिता भिंडे ने कहा कि आध्यात्मिकता केवल एक उपासना तंत्र नहीं है अपितु आध्यात्मिकता के सम्बन्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि स्वभाव ही आध्यात्मिकता है। अपनेपन के दायरे में जो आता है, वह आध्यात्मिकता है। जो व्यक्ति परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है, वह आध्यात्मिकता ही है। डॉ.निवेदिता भिंड ने कहा कि भारत ने जब कोरोना का वेक्सीन बनाया तो न केवल अपने लोगों को दिया अपितु विश्व के 110 देशों को भी नि:स्वार्थ भाव से दिया। वहीं रूस, यूक्रेन की जंग में भारतीय के अलावा अन्य देशों के नागरिकों को भी वहां से निकाला। यह सब हमारी आध्यात्मिकता की ताकत है।

महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन की आर्थिक प्रगति तेजी से हुई- प्रबंध निदेशक इंजीनियरिंग प्रा.लि. के श्री प्रतीक पटेल ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने कहा है कि जो व्यक्ति सफल हो रहा है तो उसे प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को क्रिटिसाइज न करें अपितु अपनी बुद्धि एवं प्रतिभा पर भरोसा रखें। श्री पटेल ने कहा कि आज हमें अपनी संस्कृति, इतिहास एवं सभ्यता पर गर्व होता है।

ये था आयोजन- महाकाल मंदिर के पास माधव सेवा न्यास में विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी की अखिल भारतीय अधिकारी बैठक में देश भर के 464 अधिकारी शामिल हुए। तीन दिवसीय बैठक का रविवार को समापन हुआ। यह आयोजन विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी द्वारा किया गया। 9 से 11 फरवरी तक देशभर के अधिकारियों ने विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के पूर्व में किए गए कार्यों पर मंथन किया गया। आगामी वर्ष को लेकर कार्य योजना बनाई गई। बैठक में आध्यात्म से भारत को विश्व विजय बनाना विषय पर चर्चा हुई।

स्कूल में आयोजित हुआ दीक्षांजलि समारोह

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग के कक्षा 12वीं के भैया बहिनों का दीक्षांजली समारोह कक्षा 11वीं में अध्ययनरत भैया बहिनों के द्वारा बड़े उत्साह व उमंग के साथ आयोजित किया।

प्रारंभ में भैया बहनों को बेज लगाकर व उनके बीते लम्हों की यादों का एक वीडियो दिखाकर उनका स्वागत किया गया। इसी के साथ भैया बहनों ने उनके कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यालय में बिताए गए लम्हों व अपनी खट्टी मीठी यादों को अनुभवों के माध्यम से नम आंखों से सभी के साथ साझा किया। औपचारिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एल.एन. शर्मा उपस्थित रहे। आपने विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय व कॉलेज के जीवन में एक बहुत बड़ा अंतर है आपको जीवन में अभी बहुत आगे जाना है और उन उंचाइयों को छूने में आपके विद्यालय के अनुभव सदैव आपको मार्गदर्शित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के अध्यक्ष अशोक पारीख द्वारा भैया बहनों को विद्यालय से मिले संस्कारों को आगे ले जाने हेतु शपथ दिलाई गई। विद्यालय प्राचार्य डॉ. सरोज प्रसाद ने भैया बहनों से कहा कि विद्यालय आपसे आशा करता है कि आप सदैव अपने विद्यालय व अपने माता-पिता का नाम प्रत्येक क्षेत्र में गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर मंच द्वारा विद्यालय के होनहार भैया बहिनों को सम्मानित किया गया। साथ ही स्मृति के रूप में सभी भैया बहिनों को प्रतीक चिन्ह दिए गए। इस अवसर पर सर्वश्री तुषारकांत झाला, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, आवासीय विद्यालय प्राचार्य महेश वप्ता, छात्रावास अधीक्षक कमल किशोर गोठी, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड़, आचार्य परिवार व कक्षा 11वीं व 12वीं के समस्त भैया बहिन उपस्थित रहे।

मनाई पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि

नीमच, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा अजा मोर्चा कार्यकर्ता सिकलीगर समाज के बीच पहुंचे जहां पं. दीनदयाल उपाध्याय कि तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया एवं भाजपा सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को अवगत कराया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा बताए गए अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए जन कल्याण के कार्य कर रही है।' पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए गरीबों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। गरीबों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।' कार्यक्रम में भाजपा अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि गोयल, पार्षद रूपेंद्र लोक्स, जिला महामंत्री पुष्कर सिंह चौहान, मंडल महामंत्री तुलसीराम सिकलीगर, सहित हेमराज सिकलीगर, अर्जुन, विनोद, अशोक, सोहनलाल, शंकर सिकलीगर, नितेश, उमेश आदि उपस्थित रहें कार्यक्रम का संचालन एवं आभार पुष्कर सिंह चौहान ने माना।

भाजपा ने पं दीनदयालजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया

मंदसौर, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। रविवार को मंदसौर कृषि उपज मण्डी परिसर में स्थित पं दिनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पं दिनदयालजी की पुण्यतीथी के अवसर पर आयोजित इस माल्यार्पण में भाजपा किसान मोर्चा राष्टिय उपाध्यक्ष श्री बंशीलाल गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री अनिल कियावत, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने पं दिनदयालजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और देश व संगठन के लिये किये गये उनके त्याग व समर्पण को स्मरण किया। इस अवसर पर भाजपा आजीवन सहयोग निधी प्रभारी राजेश सेठिया गरोठ, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी निलेश जैन, भाजपा खेला प्रकोष्ठ जिला संयोजक विनय दुबेला, पार्षद ईश्वरसिंह चैहान, उपाध्यक्ष दिलीप ग्वाला, पूर्व जनपद पंचायत सदस्य शिव गुर्जर, भाजपा नेता योगेश जैन, सुनिल विजयवर्गीय, समाजसेवी केएल सोनगरा, राजेश गुर्जर भी उपस्थित थे।

पेन्टर चाहिए
✼ संपर्क ✼
7089832581

✼ उठावना ✼

मेरे अनुज भाई जितेन्द्र, भुपेंद्र के पिताजी भरत, बाहुबली, धर्मेन्द्र, नवीन, संजय, अजय, विजय के काकाजी विश्वास, अमितेश, सार्थक, तन्मय, प्रभात के दादाजी श्री अजीत कुमार जी कोठारी का देवलोक गमन हो गया है जिनका उठावना आज दिनांक 12 फरवरी, सोमवार प्रात: 10.30 बजे हीरा की बगीची नई आबादी (महाराणा प्रताप चौराहे के पास) मंदसौर पर रखा गया है।

बैठक- प्रतिदिन सांयकाल 7 बजे से 9 बजे तक निवास हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी कम्बल केन्द्र पर रखी गई है।

✼✼✼ शोकाकुल ✼✼✼
ऋषभ कुमार कोठारी, जितेंद्र कुमार, भुपेंद्र कुमार कोठारी व कोठारी परिवार

किश्ते बकाया होने पर पुजारी के पिता को पलंग सहित घर से निकाला था फायनेंस कंपनी अधिकारियों ने, सदमे में चली गई जान

पिपलियामंडी, 11 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांव भील्याखेड़ी में लोन की किस्ते जमा नही होने पर घर में से पलंग सहित घर से बाहर निकालने पर 100 वर्षीय वृद्ध की सदमे में मृत्यु हो गई। जानकारी के अनुसार मेन्टोर फायनेंस कंपनी जयपुर के कर्मचारियों ने होम लोन की किस्तें बकाया होने पर पुलिस के साथ मिलकर 1 फरवरी को नाहरगढ़ थानान्तर्गत भील्याखेड़ी गांव में राममंदिर के पुजारी गोविन्ददास बैरागी के घर का सामान बाहर निकाल दिया था, घर में उठ पाने में अक्षम पुजारी के 100 वर्षीय पिता रुपदास को पलंग सहित उठाकर बाहर पटक दिया था। इसके बाद पुजारी खेत पर झोपड़ी बनाकर कच्चे मकान में रह रहा है, घर से बाहर निकालने के बाद से ही गोविन्ददास का परिवार व उनके पिता रुपदास सदमे में थे, रुपदास उसके बाद और ज्यादा बीमार हो गए थे, रविवार को उनकी मृत्यु हो गई। उल्लेखनीय है कि लोन की किस्ते जमा नही होने पर पुजारी का सामान घर से बाहर रखने व पुजारी के 100 वर्षीय पिता को पलंग सहित बाहर निकालने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। क्षेत्र के किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने पुजारी को घर से बेदखल करने पर शासन-प्रशासन को आडे हाथों लेते हुए कंपनी के अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की थी। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोशल साइड एक्स पर 100 वर्षीय बुजुर्ग को पलंग सहित घर से निकालने के फोटो अपलोड कर प्रदेश सरकार को घेरा था। 100 वर्षीय बुजुर्ग की मौत के बाद किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने आरोप लगाया कि एक ओर भाजपा विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाल रही है, दूसरी और निजी फायनेंस कंपनी के कर्मचारियों की प्रताड़ना से राम मंदिर के पुजारी के पिता की सदमे में जान चली गई, लेकिन शासन-प्रशासन के कानों पर जू तक नही रेंगी, एसा निष्ठुर शासन-प्रशासन अंग्रेजों की हुकूमत याद दिला रहा है, पुजारी को परिवार सहित घर से बेदखल कर घर का ताला लगाकर अपमानित करने वाले बैंक व पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हो, पुजारी को पुन: उसका घर दिया जाकर न्याय दिया जाए।

इस तरह पुजारी के पिता को बाहर निकाल था फायनेंस कंपनी अधिकारियों ने

आलू की बोरियों के बीच मिला... पेज 1 से जारी

बैग पाए गए। उक्त बैगों में करीब 1412 किलो 600 ग्राम डोड भूसा (पोस्ता स्ट्रा) तथा 387 किलो 500 ग्राम सीपीएस पोस्ता स्ट्रा (बगैर अफीम निकाले गए डोडा) पाया गया। ब्यूरो ट्रक व डोडा सामग्री जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच कर रहा है। माना जा रहा है कि ट्रक चालक को आभास हो गया होगा कि पुलिस या ब्यूरो की टीम पीछा कर रही है तो वह ट्रक टोल नाके के पास लावारिस हालत में खड़ा कर भाग निकला। ब्यूरो ट्रक चालक व उसके मालिक की तलाश कर रहा है। उनके मिलने के बाद ही पता चल पाएगा कि ट्रक किसका है, कौन चालक है और उक्त सामग्री कहां ले जाई जा रही थी।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है।
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in